RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:279 ता. 03 मई 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कर्नाटक प्री पोल सर्वे : 105 सीटें जीतेगी बीजेपी, 87 पर कांग्रेस, क्या टूटेगा 38 साल का रिकॉर्ड

भाजपा के वादों की फेहरिस्त में कर्नाटक ओनरशिप एक्ट में संशोधन, हर वार्ड में लैब का निर्माण, दिवंगत अभिनेता पुनीत राजकुमार के नाम पर मैसूर में फिल्म सिटी का नामकरण और अटल आहार केंद्र भी शामिल हैं।

बेंगलुरु। कर्नाटक का रण तैयार है। 10 मई को मतदान के बाद 13 मई को ऐलान हो जाएगा कि दक्षिण भारतीय राज्य की गद्दी पर कौन सा दल काबिज होने वाला है। इसी बीच चुनाव से पहले किए गए एक सर्वे में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के लिए अच्छी खबर मिलती दिख रही है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि भाजपा इस बार फिर सैकड़ा पार करने जा रही है। 2018 विधानसभा चुनाव की तुलना में कांग्रेस का भी प्रदर्शन सुधरने के आसार हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में कन्वर्जेंट इंस्टीट्यूट की तरफ से किए गए प्री-पोल सर्वे में भाजपा को 105 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। जबकि, 2018 में घोषित नतीजों में भाजपा को 104 सीटें मिली थीं। वहीं, कांग्रेस को 87 सीटें जीतती हुई नजर आ रही है। बीते चुनाव में पार्टी ने 78 सीटों पर जीत हासिल की थी। जबकि,

2018 में 37 सीटें जीती जनता दल सेक्युलर को 5 सीटों का नुकसान हो सकता है। सर्वे में पार्टी को 32 सीटें पर रखा गया है।

भाजपा का घोषणापत्र

सोमवार को ही भाजपा ने राज्य में अपना घोषणापत्र जारी किया है। इसमें पार्टी ने राज्य में चुनाव जीतने पर यूसीसी और एनआरसी लागू करने का वादा किया है। साथ ही गरीबी रेखा के नीचे परिवारों को आधा लीटर नंदिनी दूध प्रतिदिन दिया जाएगा। हर महीने परिवार के हर सदस्य को 5 किलो चावल और 5 किलो बाजरा मिलेगा। भाजपा ने उगादी, गणेश चतुर्थी और दिवाली के मौके पर पर बीपीएल परिवारों को तीन मुफ्त गैस सिलेंडर देने की बात कही है।

भाजपा के वादों की फेहरिस्त में कर्नाटक ओनरशिप एक्ट में संशोधन, हर वार्ड में लैब का निर्माण, दिवंगत अभिनेता पुनीत राजकुमार के नाम पर मैसूर में फिल्म सिटी का नामकरण और अटल आहार केंद्र भी शामिल हैं।

टूट सकता है दशकों का रिकॉर्ड

खास बात है कि कर्नाटक में साल 1985 के बाद कभी भी सत्तारूढ़ दल ने चुनाव नहीं जीता है। ऐसे में अगर ये प्री पोल सर्वे सटीक साबित होते हैं, तो संभावनाएं बढ़ा जाएंगी कि राज्य में भाजपा दोबारा सरकार बना ले। हालांकि, 2018 में भी भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन कांग्रेस और जेडीएस ने मिलकर कुछ समय के लिए गठबंधन सरकार बना ली थी।

भाजपा और कांग्रेस दोनों को जीत जरूरी

एक ओर जहां भाजपा दक्षिण भारत में सियासी विस्तार करने की कोशिश कर रही है। वहीं, कांग्रेस भी बड़ी जीत की तलाश है। ताजा जीत के साथ दक्षिण भारत में भाजपा अपना पक्ष मजबूत करना चाहेगी। इधर, 2024 लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी एकता की अटकलों के बीच नेतृत्व की दावेदारी के लिए जीत दर्ज करनी होगी। पार्टी के नेता भी कह रहे हैं कर्नाटक की जीत बूस्टर साबित होगी।

केजरीवाल के गृह राज्य हरियाणा में क्यों कुंद हो रही आप का धार

नई दिल्ली। दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने पिछले साल जब पंजाब विधानसभा चुनावों में परचम लहराया तो पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी उसकी सियासी हसरतें कुलांचे मारने लगीं लेकिन सालभर के अंदर ही आप की सियासी हसरत दम तोड़ती नजर आ रही है। आप ने इस साल पहले जनवरी में अपनी राज्य इकाई को भंग कर दिया। अब, पार्टी ने एकमात्र नगर पालिका अध्यक्ष को भी गंवा दिया है।

हरियाणा आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का गृह राज्य है। जून 2022 में, आप ने इस्माइलाबाद नगरपालिका समिति के अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी लेकिन पिछले शुक्रवार को नगरपालिका अध्यक्ष निशा गर्ग ने आप को झटका देते हुए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का दामन थाम लिया। जेजेपी में शामिल होने पर निशा गर्ग ने इंडियन एक्सप्रेस से कहा, ÷विपक्षी दल से अकेले अध्यक्ष होने के नाते काम करना बहुत मुश्किल हो रहा था। मुझे उस काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जो सत्ता पक्ष की ओर से होता तो सिर्फ एक फोन कॉल करने से हो जाता। वहां सड़कों और बेंचों के निर्माण के लिए सिर्फ टेंडर निकालने में ही आठ महीने लग गए। आप निशा गर्ग पर अयोग्यता का मामला चलाने से बच रही है और इसे बड़ा मुद्दा नहीं मान रही। दूसरी तरफ, गर्ग के पति पुनीत गर्ग ने दावा किया है कि आप ने आज तक अपने राज्य संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। पार्टी में कोई खास हलचल देखने को नहीं मिल रही है, जबकि अगले साल लोकसभा के साथ ही हरियाणा में विधान सभा चुनाव भी होने हैं। बता दें कि हरियाणा में झाड़ू की संभावना को देखते हुए ही पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अशोक तंवर, पूर्व राज्य मंत्री निर्मल सिंह और उनकी बेटी चित्रा सरवारा जैसे नेता आप में शामिल हुए थे

जम्मू-कश्मीर-पहली बार बाहरी लोगों को 96 फ्लैट दिए जाएंगे

प्रधानमंत्री आवास योजना के 336 फ्लैट्स आवंटन की प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में पहली बार बाहरी लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लोगों को 336 फ्लैट्स के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस महीने के अंत तक पहले बैच में 96 फ्लैट्स दिए जाएंगे। हर फ्लैट 290 वर्ग फुट का है, ये 2200 रुपए प्रति महीने के किराए पर आवंटित होंगे।

शुरूआत में 3 साल के लिए आवंटन बाद में बढ़ेगा

शुरुआत में तीन साल के लिए आवंटन होगा, इसे बाद में बढ़ाया जा सकता है। 2020 में सरकार ने एक लाख अफोर्डेबल मकानों के निर्माण का ऐलान किया था। इसके तहत 10 हजार आवास बाहरी लोगों को आवंटित किए जाने हैं।

फिलहाल, जम्मू संभाग के पांच क्षेत्रों में से जम्मू जिले में चार और सांबा में एक जबकि कश्मीर संभाग के तीन क्षेत्रों गांदरबल में दो और बांदीपोरा में एक स्थान पर इन अफोर्डेबल आवासों का निर्माण होना है।

बाहरी लोगों में ये शामिल–जिन लोगों को इन फ्लैट्स का आवंटन होना है उनमें श्रमिक, शहरी गरीब (स्ट्रीट वेंडर्स, रिक्शा चालक और अन्य कामगार), मंडी और दुकानों में काम करने वाले श्रमिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य सेवाओं में काम करने वाले, दीर्घ अवधि के लिए आने वाले पर्यटक, विद्यार्थी एवं इस श्रेणी के अन्य लोग शामिल हैं।

उत्तर भारत में अगले 2 दिन बारिश का ऑरेंज अलर्ट, हिमाचल-उत्तराखंड में जारी रहेगी बर्फबारी

नई दिल्ली। सोमवार को देश के कई राज्यों में भारी बारिश हुई। आने वाले दिनों में भी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

उत्तर भारत में अप्रैल के आखिरी हफ्ते से शुरू हुआ बेमौसम बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो दिन उत्तर भारत के साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों में भी ऐसा ही मौसम जारी रह सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बन रहा है, जिसके चलते लगभग पूरे उत्तर भारत में बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जिन इलाकों में भारी बारिश की संभावना रहती है, वहां मौसम विभाग ऑरेंज अलर्ट जारी करता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, झारखंड में भारी बारिश और शिमला में बर्फबारी का दौर जारी रहेगा। उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। खराब मौसम के चलते सोमवार को चारधाम यात्रा रोक दी गई थी।

तापमान में गिरावट जारी, सामान्य से 10 डिग्री कम रह सकता है

आंधी, तूफान और बारिश के कारण तापमान सामान्य से कम बना रहेगा। दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब में तापमान सामान्य से नौ से 10 डिग्री नीचे रह सकता है। हालांकि 3-4 दिन के बाद बादल छंटने के साथ तापमान में तीन से पांच डिग्री की बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

अब दक्षिण में भी बारिश के आसार

अब तक दक्षिण में तेज गर्मी पड़ रही थी। लेकिन अब वहां भी मौसम में बदलाव के आसार हैं। मौसम विभाग के ताजा अलर्ट में दक्षिण कर्नाटक के भीतरी इलाकों में बरसात हो सकती है। आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले चार दिनों तक आंधी-तूफान के साथ बारिश की चेतावनी दी गई है।

तिहाड़ जेल में फिर गैंगवार, कुख्यात गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में हुए गैंगवार में कुख्यात गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या कर दी गई। टिल्लू पर हुए जानलेवा हमले के बाद उसे दीन दयाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। जेल नंबर 8 में बंद योगेश टुंडा नाम के कैदी ने लोहे की ग्रिल से जेल नंबर 9 में बंद टिल्लू पर हमला किया था। बता दें कि, एक माह में तिहाड़ जेल में दूसरे गैंगस्टर की हत्या की है। जेल अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दिल्ली के रोहिणी कोर्ट शूटआउट के आरोपी गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया पर प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों योगेश टुंडा और अन्य ने तिहाड़ जेल में हमला कर उसकी हत्या कर दी। गंभीर हालत में उसे दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

मुजफ्फरपुर में अगलगी का कहर, आग में जिंदा जल गईं 4 बहनें, भागने तक का नहीं मिला मौका

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर से दिल दहला देने वाली खबर आई है। जहां बीती रात लगी भीषण आग में 4 बच्चों की जिंदा जलने से मौत हो गई। आग इतनी भयंकर थी कि बच्चों को भागने का भी मौका नहीं मिला। चार बहनों की इस भीषण अग्निकांड में मौत हो गई। फिलहाल अभी तक आग लगने की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। घटना सदर थाना क्षेत्र के रामदयालु स्टेशन के नजदीक बताई जा रही है। रात करीब एक बजे अचानक झुग्गी-झोपड़ी में आग लग गई। इसी दौरान झोपड़ी में सो रहीं बच्चियों को भनक भी नहीं लगी। और चारों बहनें जिंदा जल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चियों की मांग का कहना है कि उनकी एक भी बच्ची नहीं बची। सभी आग में झुलस कर मर गईं।

4 बच्चियों की जिंदा जलकर मौत–वहीं मौके पर पहुंची दमकल को आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। तब कहीं जाकर आग पर काबू पाया जा सका। वहीं सूचना पर पहुंची सदर थाना की पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया । और मृतक चारों बच्चे के शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित नरेश घर में देर रात अचानक आग लग गई थी। और फिर कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसमें उसकी चार बेटियां 12 साल की सोनी, 8 साल की शिवानी, 5 साल की अमृता और 3 साल की रीता की जलकर मौत हो गई। आग इतनी तेजी से लगी कि किसी को निकलने और संभलने का मौका तक नहीं मिला।

आधा दर्जन लोग हुए जख्मी–फिलहाल अभी तक आग लगने की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। वहीं इस अग्निकांड में 6 से ज्यादा लोग आग में झुलस गए। जिनका इलाज चल रहा है। वहीं इस अग्निकांड की खबर से हर कोई हैरान है कि क्योंकि आग ने एक परिवार को तबाह कर दिया। जिसमें 4 मासूम बच्चियों की जलकर मौत हो गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विपक्ष के सामने 17 नगर निगमों में भाजपाई चक्रव्यूह तोड़ने की चुनौती, यहां भितरघात से बदल सकते हैं समीकरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 17 नगर निगमों में इन दिनों चुनावी घमासान छिड़ा है। पहले चरण में इनमें से 10 नगर निगमों के लिए चार मई को मतदान होगा। इनमें मुख्य रूप से भाजपा-सपा में टक्कर दिख रही है। यूं भी पहले चरण के सभी निगमों में पिछली बार भाजपा ही काबिज थी। पार्टी के सामने पिछला प्रदर्शन दोहराने की चुनौती है। नगर निगमों की बात करें तो भाजपा का दबदबा तब भी रहा, जब पार्टी सूबे की सत्ता से बाहर थी। लेकिन इस बार भाजपा के सामने भी सहारनपुर, मुरादाबाद में सामाजिक समीकरण साधने और फिरोजाबाद में भितरघात रोकने की चुनौती है। वर्ष 2012 के विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद भाजपा 12 में से 10 नगर निगमों में जीत हासिल करने में सफल रही थी। वहीं 2017 के चुनावों में भाजपा ने 16 में से 14 नगर निगमों में भगवा फहराया था। शाहजहांपुर को नगर निगम का दर्जा मिलने के बाद इस बार 17 निगमों में चुनाव हो रहे हैं। इनमें से पहले चरण में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, मुरादाबाद, सहारनपुर, झांसी, गोरखपुर और प्रयागराज शामिल हैं। इन सभी निगमों में मेयर भाजपा के ही थे। मगर पार्टी ने मुरादाबाद को छोड़, कहीं भी चेहरा दोहराया नहीं। पहले चरण में भाजपा के सामने सहारनपुर, मुरादाबाद में सामाजिक समीकरण साधने और फिरोजाबाद में भितरघात रोकने की चुनौती है।

प्रयागराज नगर निगम चुनाव समीकरण

2012 के चुनाव में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता बसपा के समर्थन से मेयर निर्वाचित हुई थीं। 2017 में वह भाजपा प्रत्याशी के तौर पर चुनीं गईं। इस बार पार्टी ने गणेश केसरवानी को चुनाव मैदान में उतारा है। सपा ने अजय श्रीवास्तव, बसपा ने सईद अहमद, कांग्रेस ने प्रभा शंकर मिश्र व आप ने मो. कादिर को मैदान में उतारा है।

गोरखपुर नगर निगम चुनाव समीकरण

भाजपा से डा. मंगलेश श्रीवास्तव प्रत्याशी हैं। मंगलेश संघ के साथ ही सीएम योगी के भी करीबी माने जाते हैं। सपा से अभिनेत्री किंजल सिंह चुनाव मैदान में हैं। सीएम योगी का क्षेत्र होने के नाते यहां भाजपा के लिए स्थितियां मुफीद मानी जा रही हैं। कुल करीब 10.48 लाख वोटर हैं, जिसमें सबसे ज्यादा 2 लाख के आसपास मुस्लिम हैं।

आगरा नगर निगम चुनाव समीकरण–भाजपा की हेमलता दिवाकर कुशवाह का मुकाबला बसपा की लता वाल्मीकि से दिखता है। आगरा की मेयर सीट नगर निगम बनने के बाद से ही भाजपा के कब्जे में हैं।

बसपा का मुस्लिम दांव–सहारनपुर में खदीजा मसूद को प्रत्याशी घोषित कर सबसे पहले बसपा ने ही उम्मीदवार उतारने की पहल की थी। बसपा ने जहां एक ओर बड़ी संख्या में मुस्लिम चेहरे उतारकर उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश की है। वहीं सपा की मुश्किलें बढ़ाने का प्रयास भी किया है। वहीं, सपा इस बार प्रत्याशी चयन में सबसे ज्यादा गफलत में दिखी। कई स्थानों पर उन्होंने अपने घोषित प्रत्याशियों को बदल दिया। यह देखना दिलचस्प होगा कि बसपा का यह मुस्लिम दांव कितना कारगर साबित होगा।

भारत-मालदीव के संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं: राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को माले में एक कार्यक्रम में भारत की ओर से तोहफे के तौर पर मालदीव को एक तेज गश्ती पोत और एक नौका सौंपी। इसके साथ ही उन्होंने और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने पहले से ही घनिष्ठ द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों का विस्तार करने पर बातचीत की। द्वीप राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों की उपस्थिति में सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भारत-मालदीव का रिश्ता वास्तव में विशेष है और यह पूरे क्षेत्र के अनुसरण के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित हुआ है। रक्षा मंत्री ने हिंद महासागर क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में सहयोग बढ़ाने के लिए भारत, मालदीव और क्षेत्र के अन्य समान विचारधारा वाले देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

पोत सौंपने से संबंधित समारोह में सोलिह ने समुद्री गश्ती पोत को मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) में शामिल किया। सिंह ने कहा, भारत-मालदीव का रिश्ता वास्तव में विशेष है। हमारे संबंध समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और हमने हमेशा जरूरत के समय एक-दूसरे का समर्थन किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध पूरे क्षेत्र के अनुसरण के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित हुए हैं। उन्होंने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र से संबंधित चुनौतियों को दूर करने की दिशा में भारत, मालदीव और क्षेत्र के अन्य समान विचारधारा वाले देशों को अपना सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है।

सिंह ने कहा, इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए एक सहयोगात्मक प्रयास सुनिश्चित करना चाहिए कि हिंद महासागर का समुद्री विस्तार शांतिपूर्ण हो और क्षेत्रीय समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए समुद्री संसाधनों का अधिकतम उपयोग हो। हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक प्रभाव बढ़ाने के चीन के बढ़ते प्रयासों के बीच भारत ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसियों में से एक को दो समुद्री वाहन सौंपे। सिंह ने कहा, हम सहयोगात्मक संबंध बनाना चाहते हैं, जहां हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं, एक साथ आगे बढ़ सकते हैं तथा सभी के लिए लाभ की स्थिति बना सकते हैं। हम आपको यह भी आश्वस्त करना चाहते हैं कि एमएनडीएफ और मालदीव का समर्थन करने की भारत की प्रतिबद्धता समय के साथ और बेहतर एवं मजबूत होगी।

सलमान खान को इंडिया में लग रहा डर, कंगना रनौत ने कहा डरने की जरूरत नहीं

मुंबई। बॉलीवुड में 'दबंग' और 'टाइगर' कहे जाने वाले सलमान खान को इं?डिया में डर लगने लगा है, वहीं इस डर को दूर करने के ?लिए कंगना रनौत ने सलमान को भरोसा दिलाया है। भले ही अपनी फिल्मों में जानदार स्टंट कर विलेन के छक्के छुड़ा देते हैं। लेकिन 'किसी के भाई किसी की जान' स्टारर सलमान खान को इन दिनों भारत में डर लगने लगा है। सलमान खान ने इस बात को हाल ही में कबूल किया है। उनके इस बयान के बाद बॉलीवुड की 'पंगा क्वीन' ने रिएक्ट किया है। उन्होंने जो बयान दिया है, अब वह सुर्खियों में छाया हुआ है। जानकारी के अनुसार सलमान खान को पिछले दिनों कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद से उनकी सिक्योरिटी और टाइट हो गई है। सलमान खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपना डर जाहिर किया तो एक्ट्रेस कंगना रानौत ने अपनी बेबाक राय रखी है। कंगना ने कहा कि डरने की कोई जरुरत नहीं है। दरअसल, कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद सलमान खान को मुंबई पुलिस ने वाई श्रेणी की सुरक्षा दी है। हाल ही में 'दबंग' स्टार ने खुलासा किया कि कैसे धमकियों के बाद उनकी जीवनशैली बदल गई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा, असुरक्षा से बेहतर है। अब सड़क पर साइकिल चलाकर अकेले कहीं जाना मुमकिन नहीं है और उससे भी बड़ी बात ये है कि अब मुझे यह समस्या होती है कि जब मैं ट्रैफिक में होता हूं तो इतनी सुरक्षा होती है, वाहन दूसरे लोगों को असुविधा पैदा करते हैं। मैं हर जगह फुल सिक्योरिटी के साथ जा रहा हूं। यहां पर (दुबई) में हूं, तो किसी चीज की जरूरत भी नहीं है। यहां पर पूरी तरह से सेफ है। इंडिया के अंदर थोड़ा सा है प्रॉब्लम'।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर हमला, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खामोश क्यों हैं?

-सिर्फ अपनी-अपनी बात करते हैं पीएम मोदी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष कर कहा कि वह कर्नाटक विधानसभा चुनाव में सिर्फ अपने बारे में बातें करते हैं, और अपने किसी वरिष्ठ नेता के नाम तक का उल्लेख नहीं करते। उन्होंने सवाल किया कि प्रधानमंत्री मोदी कर्नाटक में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर खामोश क्यों हैं?

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी अपनी चुनावी सभाओं में मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा और राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र का नाम भी नहीं लेते। राहुल गांधी ने कहा कि यह विधानसभा चुनाव नरेन्द्र मोदी के बारे में नहीं, बल्कि कर्नाटक के लोगों के भविष्य के बारे में है। राहुल गांधी कहना था, क्या आपने भाजपा की सभाएं देखी हैं? प्रधानमंत्री मोदी आते हैं और किसी नेता का नाम नहीं लेते। मैं जिस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार या कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम लेता हूं, वैसे मोदी अपने नेताओं का नाम कभी नहीं लेते।

राहुल गांधी ने तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी कभी बोम्मई या येदियुरप्पा के नाम नहीं लेते, मानो उनका कोई वजूद नहीं हो। उन्होंने आरोप लगाया कि उप निरीक्षक की भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी कर्नाटक के गृह मंत्री का नाम नहीं लिया।

राहुल गांधी का कहना था, नाम नहीं लेने का एक कारण यह है, कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ नरेन्द्र मोदी के बारे में बात करते हैं। राहुल गांधी ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री कर्नाटक के भ्रष्टाचार के बारे में कुछ क्यों नहीं कह रहे हैं? उन्होंने दावा किया कि '40 प्रतिशत कमीशन सरकार के बारे में सभी जानते हैं और इस बारे में प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा गया था, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा की यह सरकार चोरी की सरकार है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की सरकार ने पिछले 3 साल में क्या किया, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी एक शब्द नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि तब मैं पीएम से पूछता हूं कि ये जो आपकी सरकार है... चोरी की सरकार, तीन साल ये सरकार ने चोरी की, लोकतंत्र को नष्ट करके चोरी की इसके भ्रष्टाचार के बारे में प्रधानमंत्री एक शब्द क्यों नहीं बोलते।

इसके पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस ने इस ''सर्व जनांगदा शान्तिय तोटा'' नाम दिया है। ''सर्व जनांगदा शान्तिय तोटा'' का हिन्दी में अर्थ ''सभी लोगों के लिए शांति का बगीचा'' है।

एशियाई विकास बैंक में प्रमुख भागीदार बना रहेगा भारत : सीतारमण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत एशियाई विकास बैंक में प्रमुख भागीदार बना रहेगा। गौरतलब है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जो वर्तमान में दक्षिण कोरिया की चार दिवसीय यात्रा पर हैं, ने मंगलवार को इंचियोन में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसात्सुगु असकावा के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि ऋण देने वाली एजेंसी के संप्रभु और गैर-संप्रभुसंचालन के लिए भारत सबसे महत्वपूर्ण देश बना हुआ है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एडीबी की वार्षिक आम बैठक में भाग लेने के लिए इंचियोन पहुंची केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम के इतर असाकावा से मुलाकात की। सीतारमण ने बैंक की ऋण क्षमता बढ़ाने के लिए नवीन वित्तपोषण तंत्र के लिए एडीबी को समर्थन भी व्यक्त किया। उन्होंने एडीबी को आत्मनिरीक्षण करने और मूल्यांकन करने की सलाह दी कि कैसे बैंक विकासशील सदस्य देशों को प्रभावी ढंग से समर्थन दे सकता है।

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने असाकावा से आग्रह किया कि वे अधिक रियायती जलवायु वित्त के साथ भारत का समर्थन करें, क्योंकि देश की आर्थिक और विकासात्मक प्रगति का क्षेत्रीय और विश्व स्तर पर बड़ा सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। असाकावा ने अपने सदस्य देशों को 100 बिलियन डॉलर जलवायु वित्त प्रदान करने की एडीबी की प्रतिबद्धता को दोहराया और एशिया और प्रशांत क्षेत्र में जलवायु के लिए ऋणदाता की अभिनव वित्त सुविधा के समर्थन के लिए भारत को धन्यवाद दिया।

आप सांसद राघव चड्ढा ने शराब घोटाले से किया किनारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट में आप सांसद राघव चड्ढा के नाम का ?जिक्र होने को लेकर उन्होंने अपनी प्र?तिक्रिया दी है। ईडी के हवाले से कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि अब इसमें आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का भी नाम सामने आया है। हालां?कि राघव चड्ढा ने इस पूरी रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पूरी तरह से गलत बताया है। राघव चड्ढा की तरफ से बयान जारी कर साफ कहा गया है कि कुछ न्यूज रिपोर्ट में ईडी के द्वारा जो शिकायत दायर की गई है उसमें मुझे एक आरोपी बताया गया है जो बिल्कुल ही गलत है। उन्होंने कहा कि ऐसी रिपोर्ट प्रोपगेंडा मालूम पड़ती है और इसके जरिए मेरी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। राघव चड्ढा ने कहा कि ईडी द्वारा दायर किये गये किसी भी शिकायत पत्र में मेरा नाम आरोपी या यहां तक कि संदिग्ध के तौर पर भी दर्ज नहीं है। राघव चड्ढा ने कहा है कि मेरे नाम का जिक्र कहीं भी आरोपी या संदिग्ध के तौर पर नहीं हुआ है। ऐसा लगता है कि शिकायत में मेरा नाम किसी मीटिंग में मौजूद रहने को लेकर है। हालांकि इस तरह के आरोप लगाने का आधार स्पष्ट नहीं है। मैं उस मीटिंग के संबंध में या अन्यथा किसी भी तरीके से किसी भी कथित अपराध के होने का जोरदार और स्पष्ट रूप से खंडन करता हूं। मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि वे कोई गलत रिपोर्टिंग न करें, अन्यथा मैं कानूनी कार्रवाई करने के लिए विवश हो जाऊंगा।

मृत्युदंड के लिए कोई दर्दरहित तरीका ढूंढेगी समिति, सुप्रीम कोर्ट में सरकार का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार की एक्सपर्ट कमेटी मृत्युदंड का कोई दर्दरहित तरीका ढूंढने पर काम करेगी। केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सरकार एक एक्सपर्ट कमेटी नियुक्त करने पर विचार कर रही है जो देखेगी कि फांसी की सजा पाए कैदियों के लिए कम दर्दनाक कोई तरीका है या नहीं। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे अटॉर्नी जनरल (एजी) आर. वेंकटरमणी ने कोर्ट से कहा कि विचार-विमर्श चल रहा है और यदि अदालत एक सप्ताह के बाद इस मामले को उठाएगी, तो वह जवाब देने में ज्यादा सक्षम होंगे। उन्होंने कहा, मैंने सुझाव दिया है और हम उस दिशा में काम कर रहे हैं और कुछ नाम जुटा रहे हैं। वेंकटरमणी के बयान को दर्ज करते हुए चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूढ़ ने कहा कि एजी का कहना है कि सरकार समिति की नियुक्ति पर विचार कर रही है। उन्होंने मामले को जुलाई में उठाने का फैसला किया।

गौरतलब है कि 21 मार्च को, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उसे एक्सपर्ट पैनल के गठन को लेकर कोई समस्या नहीं है, साथ ही केंद्र से इस पर जानकारी जुटाने के लिए कहा कि क्या मृत्युदंड के लिए कोई दर्दरहित तरीका है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि इस पहलू को विज्ञान और प्रौद्योगिकी की नजर से देखा जाना चाहिए। पीठ ने पूछा, क्या हमारे पास भारत या विदेशों में इससे संबंधित कोई डेटा है, जो वैकल्पिक तरीकों से मौत की सजा पर बात करे?

जियान कौर के मामले में अधिवक्ता ऋषि मल्होत्रा की एक रिट याचिका पर शीर्ष अदालत सुनवाई कर रही थी, जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 354 (5) के तहत निहित प्रावधान को संविधान से बाहर और विशेष रूप से अनुच्छेद 21 के भेदभावपूर्ण होने के कारण रद्द करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। मल्होत्रा ने तर्क दिया था कि यह भारत में मौत की सजा के निष्पादन के तरीके को चुनौती दे रहा है। इसमें कैदी के मरने तक उसे गर्दन से लटका कर रखा जाता है। याचिका में कहा गया है- जीने के अधिकार के तहत प्राकृतिक रूप से जीवन का अंत भी होना चाहिए। दूसरे शब्दों में, मरते हुए व्यक्ति का भी गरिमा के साथ मरने का अधिकार शामिल होना चाहिए, जब उसका जीवन समाप्त हो रहा हो। शीर्ष अदालत ने इस पर केंद्र को नोटिस जारी किया था कि जिस दोषी की सजा और सजा के कारण जीवन समाप्त होना है, उसे फांसी की पीड़ा सहने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

योगी रोज कर रहे 4-5 सभाएं, अखिलेश, मायावती का चुनाव प्रचार बेहाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में होने जा रहे निकाय चुनावों में योगी आदित्य नाथ की धुंआधार जन सभाएं हो रही हैं। अगले साल यानी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले हो रहे यूपी निकाय चुनावों को हर राजनीतिक दल अपनी ताकत के प्रदर्शन का मौका मान रहा है। राजनीति में रुचि रखने वालों की भी इस पर नज़र है। ऐसे में सत्ताधारी बीजेपी और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के सबसे बड़े प्रचारकों (सीएम योगी आदित्यनाथ, पूर्व सीएम अखिलेश यादव और पूर्व सीएम मायावती) में से कौन कितना एक्टिव है? इसकी भी चर्चा हो रही है। यहां पर अब स्थिति यह है जहां सीएम योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम, प्रदेश अध्यक्ष, मंत्री, सांसद, विधायक समेत बीजेपी के तमाम बड़े नेता लगातार जिले-जिले में धुआंधार चुनावी सभाएं कर रहे हैं वहीं सपा और बसपा का चुनाव प्रचार बेहाल दिखाई दे रहा है। अखिलेश अभी एक दिन में दो से तीन जिलों को ही कवर कर रहे हैं वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने अभी तक चुनावी जनसभाओं की शुरुआत नहीं की है। बसपा का पूरा चुनावी प्रबंधन फिलहाल प्रत्याशी के व्यक्तिगत नेटवर्क पर टिका दिख रहा है।

वैसे बीजेपी के बारे में हमेशा से यह कहा जाता है कि वो हर चुनाव बड़ी गंभीरता से लड़ती है। यूपी निकाय चुनाव को लेकर भगवा पार्टी कितनी सीरियस है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जहां एक तरफ पार्टी के तमाम बड़े नेता जमकर प्रचार में जुटे हैं वहीं हाईकमान ने सभी सांसदों-विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में बागियों को बिठाने, समझाने और पार्टी उम्मीदवार को जिताने का टारगेट भी दे रखा है। इसमें सांसद-विधायक की परफार्मेंश को आगे के लोकसभा चुनाव में दावेदारी के लिए अहम माना जा रहा है। इधर समाजवादी पार्टी में अभी तक इस तरह के किसी टारगेट की चर्चा नहीं है। 2017 में बीजेपी से अपनी सत्ता गंवाने के बाद यूपी में लगातार हार का सामना कर रही सपा और पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर सिमट गई बसपा के लिए यूपी निकाय चुनाव बेहद अहम माने जा रहे हैं।

यूपी में सीएम योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव के लिए लगातार धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। वह रोज चार से पांच जिलों को कवर कर रहे हैं। पिछले दो-तीन दिन के कार्यक्रमों को ही यदि देखें तो 29 अप्रैल को वाराणसी, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज और गोरखपुर में सीएम योगी ने जनसभाओं को सम्?बोधित किया। 30 अप्रैल को वह कर्नाटक दौरे पर थे। एक मई को सीएम ने मुरादाबाद, प्रतापगढ़, जौनपुर, वाराणसी और गोरखपुर में जनसभाओं को सम्बोधित किया। आज यानी दो मई को भी प्रयागराज, झांसी और लखनऊ में सीएम योगी की धुआंधार जनसभाएं होनी हैं। वहीं समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक मई को लखनऊ में मेट्रो में सफर कर महापौर पद की सपा प्रत्याशी वंदना मिश्रा जी के लिए वोट की अपील की। इसके पहले 30 अप्रैल को वह गोरखपुर, संतकबीरनगर और देवरिया में थे। सपा प्रमुख ने सीएम योगी के गढ़ में बीजेपी को चुनौती देते हुए दावा किया कि वो निकाय चुनाव और उसके बाद अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनावों में हारेगी।

गैस लीकेज मामले में लगातार हो रही मानिटरिंग, लेवल जीरो हुआ

लुधियाना। दो दिन पूर्व लुधियाना में हुई गैस लीकेज मामले में लगातार मानिटरिंग की जा रही है। हालांकि प्रशासन अभी भी किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाया है। जबकि एक-एक घंटे बाद मॉनिटरिंग की जा रही है। उच्च जिला अधिकारियों के मुताबिक, हवा में अब गैस का लेवल बिल्कुल जीरो हो गया है। इलाके को 250 मीटर रेडियस में सील किया गया था, उसे 50 रेडियस कम कर दिया गया है और प्रशासन उम्मीद कर रहा है की देर शाम तक इसे और भी कम कर दिया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में एक पांच मेंबरी कमेटी का गठन कर दिया है ताकि सच सामने लाया जा सके। पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू ने बताया कि पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड को सख्त हिदायत दे दी गई है कि जल्द से जल्द इस गैस का सोर्स पता किया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड इस मामले में लापरवाही करेगा तो इसी एफआईआर में उनका नाम भी जोड़ दिया जाएगा। गौरतलब है कि लुधियाना शहर के ग्यासपुरा इलाके में रविवार को कथित रूप से जहरीली गैस के रिसाव के बाद तीन बच्चों समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी। सभी मरने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के थे। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के लिये 2-2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये के मुआवजे की घोषणा की थी।

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ बिहार कोर्ट में याचिका दायर

पटना। बाघेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री पर मामला दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार स्वयंभू संत धीरेंद्र शास्त्री की पटना यात्रा से पहले एक वकील ने सोमवार को मुजफ्फरपुर सिविल कोर्ट में मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के तीर्थ स्थल बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। मुजफ्फरपुर कोर्ट के वकील सूरज कुमार ने दावा किया कि शास्त्री ने समाज में अंधविश्वास फैलाने के अलावा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। मुजफ्फरपुर के अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में मुकदमा दायर किया गया। मामले की सुनवाई 10 मई को निर्धारित की गई है। इस मामले में कुमार ने कहा, उदयपुर में अपने भाषण के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने दावा किया कि वह भगवान हनुमान के अवतार हैं। इस तरह के दावों से करोड़ों हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं। इसलिए, मैंने उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर एसीजेएम कोर्ट में आईपीसी की धारा 295ए, 298 और 505 के तहत मामला दर्ज किया है। कोर्ट ने मेरा मामला स्वीकार कर लिया है, जिसकी सुनवाई 10 मई को होगी। शास्त्री 13 से 17 मई तक आध्यात्मिक शिविर के लिए पटना में रहने वाले हैं।

कांग्रेस नेता शिवकुमार के हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग, चील ने मार दी टक्कर

बेंगलुरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार के हेलीकॉप्टर को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के हवाईअड्डे पर मंगलवार दोपहर को आपात स्थिति में उतारा गया। दरअसल, हेलीकॉप्टर को होसकोटे के पास एक चील ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में उतारा गया। कांग्रेस नेता मुलबगल में जनसभा में शामिल होने जा रहे थे। शिवकुमार के करीबी सूत्रों ने बताया कि हेलीकॉप्टर ने बेंगलुरु में जाक्कुर हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी लेकिन हेलीकॉप्टर को होसकोटे के पास एक चील ने टक्कर मार दी थी। घटना के दौरान उनके कैमरामैन को मामूली चोटें आईं। वह एक चुनावी रैली के लिए मुलाबागिलु जा रहे थे। हेलीकॉप्टर को आपात स्थिति में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि शिवकुमार सहित हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

वॉट्सऐप ने भारत में बैन किए 47 लाख से ज्यादा अकाउंट्स

नई दिल्ली। इंस्टैंट मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप ने कई अकाउंट्स को बैन किया है। प्लेटफॉर्म की ओर से मार्च महीने की यूजर सेफ्टी रिपोर्ट आ गई है। इसमें मार्च महीने में बैन किए गए वॉट्सऐप अकाउंट्स, यूजर्स की शिकायत, शिकायत पर कार्रवाई और दूसरी जानकारियां शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वॉट्सऐप ने मार्च महीने में 47 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन किया है। ये संख्या फरवरी के मुकाबले ज्यादा है। इससे पहले फरवरी महीने में 45 लाख, जनवरी में 29 लाख और पिछले साल दिसंबर में 37 लाख अकाउंट्स को बैन किया गया था। इसके अलावा प्लेटफॉर्म ने जानकारी दी है कि उन्होंने नई ग्रीवेंस कमेटी के दिए तीन नए ऑर्डर्स का भी पालन कर रहे हैं। दरअसल, नए आईटी रूल के तहत वॉट्सऐप हर महीने यूजर्स सेफ्टी रिपोर्ट जारी करती है। इस रिपोर्ट में यूजर्स की सेफ्टी और सुरक्षा के लिए उठाए गए सभी कदमों की जानकारी होती है। वॉट्सऐप के स्पोकपर्सन ने बताया, जैसा लेटेस्ट मंथली रिपोर्ट में बताया गया है, वॉट्सऐप ने 47 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को मार्च में बैन किया है। भारतीय नंबर्स की पहचान +91 कोड से होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 01 मार्च 2023 से 31 मार्च 2023 के बीच कुल 4,715,906 अकाउंट्स को बैन किया गया है। इसमें से 1,659,385 अकाउंट्स को किसी यूजर की शिकायत से पहले बैन किया गया है।

लोस चुनाव में कांग्रेस दे सकती है क्षेत्रीय दलों को कमान संभालने की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अगले लोस चुनावों में कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को कमान संभालने की जिम्मेदारी दे सकती है। हालांकि साल 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले जातीय जनगणना का शोर तेज है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लेकर अब कांग्रेस भी इस एजेंडा में भागीदारी करती नजर आ रही है। कहा जा रहा है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस कप्तान बनने के बजाए क्षेत्रीय दलों को कमान संभालने दे सकती है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद इस जातीय जनगणना को लेकर सभी विपक्षी दलों की बिहार में बड़ी बैठक हो सकती है। इधर, कांग्रेस ने अब तक बिहार में बैठक के प्रस्ताव पर आधिकारिक हामी नहीं भरी है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जानकार इस बात के संकेत दे रहे हैं कि जातीय जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस खुद पीछे रहकर क्षेत्रीय दलों को आगे बढ़ा सकती है। कहा जा रहा है कि जातीय जनगणना को बढ़ावा देकर कांग्रेस भविष्य के लिए अपनी ऐसी जमीन तैयार कर रही है, जहां शायद वह गठबंधन की कमान न संभाले। विशेषज्ञों की मानें तो जातीय जनगणना कांग्रेस का एजेंडा नहीं है। मुद्दे का प्रचार कर कांग्रेस कह रही है कि वह मंडल दलों को अगुवाई करने देगी और खुद पीछे रहकर काम करेगी। रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि सीएम कुमार के करीबी कह चुके हैं कि सामाजिक न्याय दलों के साथ कांग्रेस शामिल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय दल मोर्चे की अगुवाई कर रहे हैं। कांग्रेस भी इसमें शामिल है। जेडीयू, सपा, बसपा और डीएमके जैसे कई क्षेत्रीय दल सामाजिक न्याय की राजनीति के बड़े खिलाड़ी हैं। खास बात है कि आरक्षण नीति और सामाजिक न्याय के मामले में कांग्रेस के रिकॉर्ड खास नहीं रहा है। एक ओर जहां पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1951 में जातिगत जनगणना का विरोध किया था। वहीं, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी मंडल आयोग की रिपोर्ट के पक्ष में नहीं थीं।

बजरंग दल की तुलना पीएफआई से करने पर भड़की विहिप

नई दिल्ली। कर्नाटक विधान सभा चुनाव के लिए जारी घोषणा पत्र में कांग्रेस द्वारा पीएफआई की तुलना बजरंग दल से करने पर विहिप ने कड़ा ऐतराज जताया है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में विश्व हिंदू परिषद से जुड़े संगठन बजरंग दल की तुलना पीएफआई से करते हुए सत्ता में आने पर दोनों ही संगठनों पर बैन लगाने का वादा किया है। लेकिन कांग्रेस के इस वादे और घोषणापत्र को लेकर देश में नया राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने पीएफआई से बजरंग दल की तुलना पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस और पीएफआई का गठबंधन रहा है और कांग्रेस ने तो संसद तक में सिमी जैसे आतंकी संगठन पर प्रतिबंध लगाने का विरोध किया था। उन्होंने सोनिया गांधी पर बजरंग दल को गलत तरीके से बदनाम करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हम इसे सहन नहीं करेंगे और बजरंग दल हर संभव लोकतांत्रिक तरीके से इसका जवाब देगा। डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी करते समय जिस प्रकार से प्रखर राष्ट्रभक्त संगठन बजरंग दल की तुलना कुख्यात, राष्ट्रविरोधी, आतंकवादी और प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के साथ की है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। विहिप नेता ने कहा कि बजरंग दल का एक-एक कार्यकर्ता देश और समाज के लिए समर्पित है जबकि पीएफआई की गतिविधियों से पूरी दुनिया परिचित है।

अपनी ही सीमा पर चाक-चौबंद सुरक्षा करने में जुटा म्यामार

बीजिंग। म्यामार इन दिनों अपनी ही सीमा पर चाक चौबंद सुरक्षा करने में जुटा हुआ है। चीन के विदेश मंत्री ने मंगलवार को अस्थिर क्षेत्र की एक असामान्य यात्रा के दौरान म्यांमार के साथ देश की सीमा पार आपराधिक गतिविधि पर स्थिरता और कार्रवाई का आह्वान किया। 2,129 किलोमीटर (1,323 मील) की सीमा घने जंगलों वाले पहाड़ों से होकर गुजरती है और लंबे समय से 'गोल्डन ट्राएंगल' क्षेत्र से चीन में नशीली दवाओं की तस्करी के लिए कुख्यात है। यहां लाओस, म्यांमार और थाईलैंड की सीमाएं मिलती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि म्यांमार में अफीम का उत्पादन साल 2021 में सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने के बाद से फला-फूला है। पिछले एक साल में खसखस की खेती में एक तिहाई की वृद्धि हुई है क्योंकि उन्मूलन के प्रयास बंद हो गए हैं और लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था ने अधिक लोगों को नशीली दवाओं के व्यापार की ओर अग्रसर किया है। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री चिन गांग ने कहा कि स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टी और सरकारी विभागों, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, पुलिस और नागरिक निकायों को 'सीमा रक्षा प्रणाली को मजबूत करने' में शामिल होना चाहिए। चिन ने 'अलग और स्थिर सीमाओं को बनाए रखने, और सीमा पार आपराधिक गतिविधियों पर गंभीर रूप से नकेल कसने में सुधार का आह्वान किया। मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया कि सीमा प्रबंधन, सीमा व्यापार विकास और द्विपक्षीय संबंधों का समन्वय करना आवश्यक है। म्यांमार की सेना और जातीय सशस्त्र समूहों के बीच लड़ाई भी कभी-कभी सीमा पर भड़क जाती है। चीन ने सभी पक्षों के साथ संपर्क बनाए रखने की मांग की है। आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सेना द्वारा अपदस्थ किए जाने के बाद से म्यांमार हिंसा से बुरी तरह प्रभावित है। सेना द्वारा चलाए जा रहे अभियान का म्यांमार में बड़े पैमाने पर लोगों ने विरोध किया। जिसे सुरक्षा बलों ने घातक बल के साथ कुचल दिया, जिसके बदले में व्यापक सशस्त्र प्रतिरोध शुरू हो गया।

प्यार के बाद शादी करने भारतीय शख्स पहुंचा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता के बावजूद, एक भारतीय नागरिक ने पाकिस्तान जाकर सुक्कुर में एक महिला से शादी की। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के रहने वाले महेंद्र कुमार अपने परिवार के साथ संजुगत कुमारी से शादी करने के लिए सुक्कुर चले गए। शादी सुक्कुर के एक स्थानीय हॉल में हुई, जिसमें जोड़े के रिश्तेदारों और हिंदू समुदाय के लोगों ने भाग लिया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद संजुगत कुमारी अपने पति के साथ कुछ दिनों में भारत के लिए रवाना होंगी। दुल्हन के माता-पिता ने कहा कि दोनों सोशल मीडिया पर दोस्त बने और शादी करने का फैसला किया। इसके बाद में परिवारों ने व्हाट्सऐप के माध्यम से एक-दूसरे से संपर्क किया और शादी समारोह को अंतिम रूप दिया। विवाह समारोह में शामिल हुए सुक्कुर के ऐश्वर लाल मकेजा ने कहा कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती और उन्होंने जोड़े के सुखी जीवन की कामना की।

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने धूम्रपान और ई-सिगरेट के खिलाफ कार्रवाई की

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया सरकार धूम्रपान और ई-सिगरेट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है और इसके तहत अगले चार साल में तंबाकू उत्पादों पर लगे कर में अरबों डॉलर की वृद्धि करेगी। स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने मंगलवार को कहा कि मनोरंजन के लिए इस्तेमाल वैपिंग (ई-सिगरेट) पर रोक लगाई जाएगी, क्योंकि सरकार अगली पीढ़ी को निकोटिन का आदी होने से बचाना चाहती है। उन्होंने बताया कि तंबाकू कर पर सितंबर से पांच प्रतिशत की दर से वृद्धि की जाएगी। बटलर ने बताया कि अगले चार साल में तंबाकू उत्पादों पर लगने वाले कर में 3.3 अरब ऑस्ट्रेलियाई डालर की वृद्धि की जाएगी। इसके साथ ही ई-सिगरेट पर कठोर नियंत्रण स्थापित कर 23.4 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का राजस्व प्राप्त किया जाएगा जिनमें उनके आयात और पैकेजिंग पर लगने वाला कर शामिल है। उन्होंने बताया कि सरकार राज्यों और प्रदेशों के साथ मिलकर ई-सिगरेट की खुदरा बिक्री पर रोक लगाने के लिए काम करेगी और इलाज के लिए डॉक्टरों की सलाह पर इनके इस्तेमाल की प्रक्रिया आसान करेगी। उन्होंने बताया कि ई-सिगरेट के बढ़ते काले बाजार पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए उत्पादों के मानकों को सरकार कड़ा करेगी जिनमें स्वाद और रंग संबंधी नियंत्रण शामिल हैं।

दोहा बैठक में शामिल होगा भारत

जिनेवा। भारत अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस द्वारा दोहा में बुलाई गई बैठक में भाग ले रहा है। इस बैठक में विभिन्न देशों के विशेष दूत भाग ले रहे हैं और इसका उद्देश्य तालिबान के साथ संवाद को लेकर एक आम समझ विकसित करना है। गुतारेस दो दिवसीय बैठक की मेजबानी के लिए सोमवार को दोहा पहुंचे। महासचिव के कार्यालय द्वारा यहां जारी एक नोट में बताया गया है कि भारत बैठक में भाग लेने वाले देशों और संगठनों में शामिल है। बैठक में चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, ईरान, जापान, कजा?किस्तान, किर्गिस्तान, नॉर्वे, पाकिस्तान, कतर, रूस, सऊदी अरब, ताजिकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, उज्बेकिस्तान, यूरोपीय संघ और इस्लामी सहयोग संगठन भाग ले रहे हैं।

अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में विमान हादसा, तीन की मौत

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया माउंटेन एयरपोर्ट के पास एक इंजन वाला विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार तीनों लोगों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक बीचक्राफ्ट ए36 सोमवार दोपहर के बाद बिग बीयर सिटी एयरपोर्ट के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि विमान एक खाली जगह पर गिरा, लेकिन आग नहीं लगी। पीड़ितों की तत्काल पहचान नहीं हो पाई है। दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है। मौसम विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्घटना के समय आंशिक रूप से बादल छाए हुए थे। बता दें बिग बीयर हवाई अड्डा सैन बर्नार्डिनो पर्वत में बिग बीयर झील के पास है, जो लॉस एंजिल्स के पूर्व में लगभग दो घंटे की दूरी पर एक लोकप्रिय रिसॉर्ट क्षेत्र है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में तीन दिनों में यह दूसरा घातक छोटा विमान हादसा था। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले शनिवार को घने कोहरे के बीच लॉस एंजिल्स के एक इलाके में एक इंजन वाले विमान के घरों के ऊपर घास वाली पहाड़ी से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि सेसना सी172 शनिवार रात करीब 8-45 बजे शहर के पश्चिम की ओर वान नुय्स हवाई अड्डे से लगभग 13 किमी दक्षिण-पूर्व में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अग्निशमन विभाग ने एक बयान में कहा ?कि अंधेरे और घने जमीनी स्तर के कोहरे में कई घंटों की खोज के बाद चालक दल को दुर्घटनास्थल और मलबे में एक व्यक्ति की लाश मिली। यह व्यक्ति पायलट था। पायलट की तत्काल पहचान नहीं हो पाई थी। इस मामले की संघीय उड्डयन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड जांच करेगा।

कैटेलान के 98 लाख रुपये के आर्टवर्क के एक हिस्से को खा गया लड़का

रोम। दुनिया में कई ऐसे इंसान हैं जो नादानी कर बैठते हैं। ऐसा ही एक मामला इटली के जाने-माने आर्टिस्ट मौरिजियो कैटेलान के साथ भी हुआ। मीडिया के अनुसार एक म्यूजियम में लगे कैटेलान के 98 लाख रुपये के आर्टवर्क के एक हिस्से को कोई खा गया। इस आर्टवर्क का नाम कोमेडियन रखा गया था। दक्षिण कोरिया के सियोल के ऑर्ट के लीयम म्यूजियम में लगे डब्ल्यूई एक्जिबिशन में दीवार पर एक पका हुआ केला टेप से चिपका हुआ था। थोड़ा अजीब है, लेकिन ये कैटलेन के एक आर्ट वर्क का हिस्सा था। अब यही केला म्यूजियम देखने आए सियोल यूनिवर्सिटी के एक छात्र ने निकालकर खा लिया। इतना ही नहीं, बल्कि उसने तो केला खाने के बाद छिलके को वापस चिपका दिया। ऑर्ट वर्क से केला खाने वाले छात्र की पहचान नोह हुएन-सू के रूप में हुई है। इस घटना को नोह के दोस्त ने रिकॉर्ड कर लिया था और अब इसका वीडियो भी वायरल हो गया है। जब नोह से पूछा गया कि उसने ये हरकत क्यों की तो उसने कहा कि दरअसल वह घर से नाश्ता करके नहीं आया था और उसे भूख लगी थी। हालांकि स्थानीय मीडिया ने बताया कि म्यूजियम ने बाद में छिलके को हटाकर उसी स्थान पर एक नया केला रख दिया।

जावा में माउंट मारपेई ज्वालामुखी से उठता हुआ लावा।

इस समय क्वाड में नये सदस्य जोड़ने की योजना नहीं : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। ऑस्ट्रेलिया में इस महीने के आखिर में होने वाले क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले व्हाइट हाउस ने कहा है कि इस समय इस समूह में नये सदस्य शामिल करने की कोई योजना नहीं है। क्वाड देशों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन आगामी 24 मई को ऑस्ट्रेलिया में चतुष्कोणीय समूह के शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां-पियरे ने संवाददाताओं से कहा ?कि दो साल पहले क्वाड की स्थापना की गई थी। क्वाड अभी अपेक्षाकृत युवा समूह है। इस समय नये सदस्यों को जोड़ने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि क्वाड के सदस्य अभी इसके लिए सहमत हैं। उन्होंने यह भी कहा ?कि हालांकि क्वाड हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अनेक साझेदारों के साथ काम करने के अवसरों का स्वागत करता है।

हिना रब्बानी खार और पीएम शाहबाज की लीक बातचीत में खुलासा

किसी का सगा नहीं पाकिस्तान ना चीन का ना अमेरिका का, जो पैसा दे उसका

लौहार (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों बुरा हाल है। जहां पाकिस्तान सदी के सबसे बड़े आर्थिक संकट से जूझ रहा है। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश राज्यमंत्री हिना रब्बानी खार के बीच हुई सीक्रेट बातचीत लीक हो गई है। इस बातचीत के लीक होने से हंगामा मचा ही है साथ ही यह प्रश्न भी खड़ा हुआ है कि पाकिस्तानी विदेश नीति का संचालन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी कर रहे हैं या उनकी जूनियर हिना रब्बानी खार?

बता दें कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी के जो दस्तावेज लीक हुए हैं उसके चलते पाकिस्तान को फिर दुनिया के सामने किरकिरी का सामना करना पड़ रहा है। इस रिपोर्ट से सामने आया है कि पाकिस्तान ना तब अमेरिका का है ना ही चीन का। पाकिस्तान बस उस समय उसका साथी होता है जो कंगाल पाकिस्तान को डॉलरों की मदद दे रहा होता है। जहां तक पूरे घटनाक्रम की बात है, तब बता दें कि रिपोर्टों के मुताबिक कुछ दिनों पहले अमेरिकी खुफिया एजेंसी के कुछ दस्तावेज लीक हो गए थे। इन्हीं लीक दस्तावेजों से प्रधानमंत्री शहबाज और हिना रब्बानी खार के बीच की बातचीत उजागर हो गई है। दस्तावेजों से सामने आया है कि विदेश नीति को लेकर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री और विदेश राज्य मंत्री के बीच गहरे मतभेद हैं। दस्तावेज दर्शाते हैं कि पाकिस्तान सरकार यह समझ ही नहीं पा रही है कि असली दोस्त चीन को माना जाए या अमेरिका को।

इन दस्तावेजों ने चीन की भी आंखें खोल दी हैं जोकि अब तक पाकिस्तान पर आंखें मूंद के भरोसा कर रहा था और उस तमाम तरह की मदद मुहैया करा रहा था। दस्तावेजों के सामने आने से पाकिस्तान के उन प्रयासों को भी झटका लगा है जिसके तहत वह अमेरिका से आर्थिक मदद की गुहार लगा रहा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के कठिन विकल्प शीर्षक वाले इस गुप्त मेमो के कुछ हिस्से अमेरिकी अखबार ने जारी किए थे। जिसके मुताबिक विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान को पश्चिम को खुश करने के अहसास से बचना होगा। इस मेमो के मुताबिक हिना ने शहबाज शरीफ को चेतावनी दी थी कि देश अब चीन और अमेरिका के बीच एक जमीन बनाए रखने का प्रयास नहीं कर सकता है। लीक दस्तावेजों के मुताबिक हिना खार का तर्क था कि पाकिस्तान यदि अमेरिका के साथ साझेदारी को बचाने के प्रयास करता रहेगा तब चीन के साथ उसके असल रणनीतिक रिश्ते की बलि चढ़ जाएगी।

बता दें कि इन दस्तावेजों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हंगामा मचा रखा है हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका को हिना रब्बानी खार के यह मेमो कैसे हासिल हुए। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या हिना पर अमेरिका को पहले से शक था इसलिए उनकी जासूसी की जा रही थी? सवाल यह भी उठता है कि पाकिस्तान के और कितने मंत्री अमेरिकी खुफिया एजेंसी के रडार पर हैं? बहरहाल, बताया जा रहा है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी के दस्तावेजों की लीक का यह मामला साल 2010 के विकीलीक्स से भी ज्यादा बड़ा है, क्योंकि इसमें कई अन्य रहस्योद्घाटन भी हुए हैं जोकि जल्द ही सामने आ सकते हैं।

मां काली की अभद्र फोटो ट्वीट करने पर यूक्रेन ने जताया खेद, यूजर्स ने की खिंचाई

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के ट्विटर अकाउंट पर मां काली की एक विकृत तस्वीर को पोस्ट करने के मामले में जहां यूक्रेंन ने माफी मांगी है वहीं यूजर्स ने जमकर खिंचाई की है। फोटो ट्वीट पर यूक्रेन के विदेश मामलों की उप मंत्री एमिन झापरोवा ने ट्वीट करके खेद जताया है। झापरोवा ने कहा कि 'हम यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के ट्विटर पर हिंदू देवी काली को विकृत तरीके से चित्रित करने के लिए खेद व्यक्त करते हैं। यूक्रेन और उसके लोग भारतीय संस्कृति का सम्मान करते हैं और भारत के समर्थन की अत्यधिक सराहना करते हैं। उस चित्र को पहले ही हटा दिया गया है।' यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के इस ट्वीट के बाद से सोशल मीडिया यूजर्स ने जमकर गुस्सा जाहिर किया था।

सोशल मीडिया पर यूजर्स का गुस्सा फूटने के बाद आनन-फानन में यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने उस ट्वीट को हटा लिया। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय का ये ट्वीट देखते ही देखते वायरल हो गया था। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने 'वर्क ऑफ आर्ट' कैप्शन के साथ इस फोटो को शेयर किया था। जिसमें हिंदू देवी काली को अजीब तरीके से दिखाया गया था। जो कुछ हद तक हॉलीवुड की अभिनेत्री मर्लिन मुनरो की एक प्रसिद्ध तस्वीर से मिलती-जुलती थी। इसके बाद प्रसारण और सूचना मंत्रालय के वरिष्ठ सलाहकार कंचन गुप्ता ने लिखा कि 'हाल ही में यूक्रेन की उप विदेश मंत्री दिल्ली में थीं और भारत से समर्थन मांग रहीं थीं। अब यूक्रेन सरकार ने भारतीय देवी मां काली को एक प्रचार पोस्टर में दिखाया है। यह दुनिया भर में हिंदू भावनाओं पर हमला है।

यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय की इस हरकत से भारत में नाराज ट्विटर यूजर्स ने सोशल प्लेटफॉर्म के सीईओ एलोन मस्क और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को टैग कर उनसे इस मामले पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया। एक यूजर ने यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के ट्वीट के जवाब में कहा कि 'यही कारण है कि आप लोगों को भारत से कोई समर्थन नहीं मिल रहा है।' गौरतलब है कि पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन पर हमला करने के कारण रूस पर पश्चिमी देशों ने कई प्रतिबंध लगाए हैं। मगर भारत ने पश्चिमी देशों का साथ देने से मना करते हुए एक कूटनीतिक रुख अपनाया है। इसके कारण पश्चिमी खेमे के नेताओं को बहुत निराशा हुई है।

धूल भरी आंधी ने मचाई तबाही, हवा में उड़ने लगीं गाड़ियां, 6 की मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सोमवार को धूल भरी आंधी ने अमेरिका में भारी तबाही मचा दी। इस कारण छह लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार धूल भरी आंधी के कारण अमेरिकी राजमार्ग पर विजिबिलिटी कम हो गई, जिससे लगभग 100 वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इलिनोइस राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा ?कि 30 वाणिज्यिक वाहनों के साथ करीब 50-60 यात्री वाहन, इलिनोइस के मिडवेस्टर्न राज्य में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बयान में कहा गया है कि राजमार्ग 55 पर दो मील की दूरी पर हुई दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप दो ट्रकों में आग लग गई। जानकारी के अनुसार यह राजमार्ग एक प्रमुख मार्ग है, जो शिकागो और सेंट लुइस जैसे शहरों को जोड़ता है। पुलिस ने कहा कि 30 से अधिक लोगों को 'कम से लेकर जानलेवा तक' की चोटों के साथ अस्पताल ले जाया गया। पीड़ितों की उम्र 2 से 80 वर्ष के बीच बताई गई है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में हर तरफ धूल और धुआं दिख रहा है। सड़क पर आपस में टकराई हुई गाड़ियां नजर आ रही हैं, विजिबिलिटी भी काफी कम है। घटना के बाद चारों तरफ अफरा तफरी का माहौल था।

यहां यह बात गौरतलब है कि साल 2021 में यूटा में इसी तरह की दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई थी, जब एक धूल भरा तूफान 22 वाहनों को फंसाने वाली दुर्घटनाओं की एक श्रृंखला का कारण बना। इससे पहले शनिवार को फ्लोरिडा में एक शक्तिशाली तूफान ने कहर बरपाया। तूफान से मची तबाही के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। साथ ही कई गाड़ियां पूरी तरह से खत्म हो गईं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़कों पर पेड़ टूटे पड़े देखे गए। कारों को एक दूसरे से टकराते हुए भी देखा गया। इससे पहले अप्रैल की शुरुआत में अमेरिका में भारी तूफान और बवंडर ने तबाही मचाई थी।

पंडित नेहरु की गलती सुधारेगी मोदी सरकार, पीओजेके भारत में शामिल होकर रहेगा : जितेंद्र सिंह

-पीएम मोदी और भाजपा के शीर्ष एजेंडे में शामिल

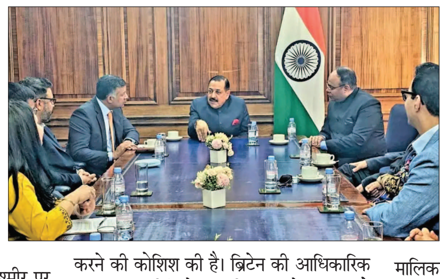

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के दौरे से पहले पीओके को लेकर भारत ने नया ऐलान किया है। जिससे पाकिस्तान भी खौफ में नजर आ रहा है। हिन्दुस्तान ने दो टूक कह दिया है कि हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को एकजुट करने वाले हैं। मोदी सरकार ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर अपना रुख साफ करते हुए कहा कि है कि कब्जे वाले क्षेत्र की वापसी उसके एजेंडे में शामिल हैं, एक दिन पीओके को भारत संघ के साथ एकजुट किया जाएगा। बता दें कि केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह यूनाइटेड किंगडम की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। जहां से उन्होंने पाकिस्तान के होश उड़ाने वाला ये ऐलान किया है।

लंदन में रहने वाले जम्मू-कश्मीर मूल के छात्रों और सामाजिक समूहों के साथ बैठक में केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद उन्होंने 1947 के बाद विभिन्न सरकारों द्वारा अतीत में की गईं कई गलतियों को ठीक करने की कोशिश की है। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर गए सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर के लोगों में अपनेपन की भावना पैदा हुई है, उन्हें देश के बाकी हिस्सों में अपने समकक्षों के बराबर अधिकार मिले हैं।

उन्होंने दावा किया कि पीओके का मुद्दा कभी नहीं उठता अगर तत्कालीन प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल को इस क्षेत्र को उसी तरह संभालने की अनुमति दी होती जिस तरह से वहां अन्य रियासतों को संभाल रहे थे। सिंह ने कहा पाकिस्तान के नियंत्रण से अवैध रूप से कब्जे वाले पीओजेके को वापस लेने और भारत में वापस लाने के लिए यह प्रधान मंत्री मोदी और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के एजेंडे में है।

दूसरी ओर पश्चिमी पाकिस्तान के शरणार्थियों को जम्मू-कश्मीर में जमीन का मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ हो गया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा है कि उनका प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि केंद्र शासित प्रदेश में रह रहे पश्चिम पाकिस्तान के शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक मिले। मनोज सिन्हा ने कहा कि इन शरणार्थियों को अनुच्छेद 370 और 35ए ने राजनीतिक अधिकारों व अन्य फायदों से वंचित किया तथा उनकी समृद्धि बाधित की। सिन्हा ने कहा, ''पश्चिम पाकिस्तानी शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक केंद्र के निर्देशों पर केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने आरएसपुरा स्थित चकरोरी में पश्चिम पाकिस्तानी शरणार्थियों के लिए एक विशेष शिविर का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''सरकार समुदाय के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।''

श्रीलंका में चीन का अभेद्य किला, भारत की बढ़ सकती है टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज में डूबा श्रीलंका कराह रहा है लेकिन गिद्ध की तरह चीन तो उस मौके पर नजरें गड़ाए बैठा है। हंबनटोटा और कोलंबो पोर्ट के बाद अब चीन श्रीलंका में एक और बंदरगाह बनाने जा रहा है। दो अरब डॉलर की भारी-भरकम निवेश के साथ चीन के सरकारी कंपनी श्रीलंका में लॉजिस्टिक हब का निर्माण करेगी। मकसद साफ है कर्ज में डूबे श्रीलंका के भौतिक संसाधनों का भरपूर इस्तेमाल।

गौरतलब है कि आर्थिक रूप से दिवालिया होने के बाद श्रीलंका वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ तक सभी से कर्ज मांग चुका है। थोड़ी-बहुत मदद मिली भी है, लेकिन इकोनॉमी को बूस्ट करने के लिए उतनी मदद काफी नहीं है। श्रीलंका को भारी मदद की दरकार है। ऐसे में वो चीन की पेशकश को ठुकराने की हालात में तो नहीं है। चीन भी ऐसे ही मौके की तलाश में था। हंबनटोटा पोर्ट तो उसने लीज पर ले लिया था। जिसका इस्तेमाल वो मिलिट्री बेस के रूप में करता है। अब चीन की सरकारी कंपनी चाइना मार्चेंटाइज ग्रुप ने एक ऐलान किया है। वो कोलंबो बंदरगाह पर एक बड़े लॉजिस्टिक कॉम्पलेक्स का निर्माण करने जा रही है। जिसकी लागत करीब 392 मिलियन डॉलर आंकी गई है।

श्रीलंका में क्या चल रहा है और यह कैसे हुआ?

सीधे शब्दों में कहें तो श्रीलंका की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। देश के सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग द्वारा वर्षों के कुप्रबंधन और महिंदा राजपक्षे की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर रुख न करने की जिद ने श्रीलंका के आर्थिक संकट को और बढ़ा दिया है। श्रीलंका वर्तमान में अत्यधिक मुद्रास्फीति, बजट और खाता घाटे, एक अवमूल्यित मुद्रा और एक गुब्बारे वाले विदेशी ऋण से जूझ रहा है जिसे अब चुकाया नहीं जा सकता है। 2009 के गृहयुद्ध के बाद, देश (या बल्कि इसके सत्तारूढ़ राजनीतिक अभिजात वर्ग) ने युद्ध के खर्चों में मदद करने के लिए बड़े पैमाने पर ऋण लिया और अत्यधिक, अनावश्यक और महंगी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को शुरू करने के लिए जिनका बहुत कम व्यावहारिक प्रभाव या वापसी की उम्मीद थी। कोविड-19 महामारी ने

श्रीलंका के पर्यटन को तबाह कर दिया, जो देश की विदेशी मुद्रा का मुख्य स्रोत था। वर्तमान में, देश को चीन और अन्य उधारदाताओं को अपने ऋण के पुनर्गठन में मदद करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ काम करना चाहिए।

संपादकीय

गुरु के महत्व को नहीं समझना

हमारे जीवन में गुरू का बहुत महत्व है इसको अगर हमने सही से नहीं समझा तो मानो कुछ भी नहीं समझा । गुरू हमें नेक शिक्षा देते हैं कि जीवन का अनमोल रत्न-वर्तमान हो ।आत्मबल का महत्व-वर्तमान हो । विकास-कर्तृत्व आइना-वर्तमान हो ।जोश, उत्साह,उपलब्धि-वर्तमान हो तो मोक्ष हैं । इसलिए जीवन घड़ियाँ नेक बनाऊँ । नए सृजन के दीप जलाऊँ। बढ़े सदा पौरुष का जीवन में स्पंदन ।रुके नही प्राणों की धड़कन ।करूँ वृत्तियों का में शोधन मुझे मिले यही सब गुरू से अनुपम उद्‌बोधन। किसी ने कहा हैं की - गुरू के गुण गाए जा मस्ती जे तराने,ठंडी आहें भरना क्या.. ? मौत आए ती मार भी लेंगे,मौत आने से पहले डरना क्या.. ? जिसकी सोच सकारात्मक होती है वह महात्मा की तरह हर परिस्थिति में आनंदित व प्रसन्नचित रहता हैं ।उसका वर्तमान ही मोक्ष हैं ।गुरू का मन निर्मल होता हैं । गुरूवाणी या रामायण सा ग्रंथ कुरान आदि का यह ईश्वर का संदेश हैं व सब एक समान हैं । गुरू की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा गया है की सर्व शक्तिमान वही श्री वही ज्ञान जो अपने आप से वही कराता पहचान हैं । बीतें हुए को हम कभी न सोंचे सदा आनेवाले के हित की सोचे छुपी हैं जिसमें हमारी मौजें शालीन हो हमारा व्यवहार । आगत में स्वागत में हर बार। वह समय जो उदासीन था । कटता रहा जो गमगीन था। मन के खुले आँगन में इन सब प्रेरणाओ को गुरू की शिक्षा से ज्ञान रश्मियाँ भीतर में उतरने दो। धूप की मध्यमता को भीतर में यूँ ही उछलने दो। कब तक चलेगा मन एक धुरी पर ? एक ही रेखा पर ? धागे भी टूट जाते हैं सीधा खींचता रहने पर ।समय जो खुशनुमा हैं अंधेरा नही उजाला रहने पर। मन के भाव को रिक्त ना कर , मन की यह धुरी बदल रही, सीधी ना होकर गोल हो रही, उसी चाल अनुरूप उसी के सहारे। मन के दर्द को उतरने दे, शब्दों के मोती बनने दे, आशाओं के दीप जलने दे, स्वप्न सुनहले संजोकर उसमें नयी स्वर्णिम गति भर दे । गुरू शिक्षा से मन परम निर्मल हो जाएगा । शुभ विचारों से जीवन सारा जगमगाएगा । दिव्य वातावरण के प्रसाद की आभा में मन को अमिय पर्ग् नेह का श्रृंगार मिलेगा ।अंतस~ की चाह जगते ही यह मन निर्मलता की ओर परम होता चला जाएगा। समय की धारा बहती जाये नहीं लेती कभी विराम करें जो समय का सही प्रबन्धन और सम्मान गुरू की प्रेरणा व मार्गदर्शन से करे उसके समय देवता हो जाते मेहरबान ।लक्षित मंजिल मिलती, मिलता सब जगह सम्मानऔर एशो आराम । समय नहीं हैं, समय नहीं हैं, लेता न कभी यह नाम, करके चलता ,अपने समय का सही से गुरू शिक्षा से प्रबन्धन ,वही बनता महान, महान। वही बनता महान । समय का महत्व होता हैं ।दुनियाँ की सबसे बड़ी चीज हैं वक्त, एक बार हाथ से निकल गया तो ,वापिस लौट कर नहीं आता ।अत: समय का गुरू की शिक्षा से सदुपयोग करें,करे मानव जीवन के समय का सम्मान,पायें लक्ष्य !बनें महान , बनें महान । तभी तो कहा हैं की जीवन में गुरु के महत्व को नहीं समझा तो कुछ नहीं समझा ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

हादसा नहीं लापरवाही

रविवार को पंजाब के लुधियाना में गैस लीक होने से ग्यारह लोगों की मौत हो गई। कुछ लोगों को बेहोशी की हालत में अस्पताल में दाखिल कराया गया है। ग्यासपुर की जिस गली में हादसा हुआ, उसके तीन सौ मीटर के इलाके में लोग सड़कों पर भी बेसुध मिले। मृतकों में दो बच्चों के साथ पांच महिलाएं और चार पुरुष हैं। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारियों को मौत का कारण पहली नजर में समझ नहीं आया। बाद में बताया गया कि सीवरेज मैनहोल में हुए कैमिकल रिएक्शन से निकली गैसों के कारण मौतें हुई। इनमें एक डॉक्टर कापरिवार ही खत्म हो गया। दूसरे परिवार में साल भर का अनाथ बचा है। चालीस वर्षीय डॉक्टर, उनकी पत्नी व दो बेटे-एक बेटी मूल रूप से बिहार से थे। यहां तीस सालों से रह कर क्लीनिक चलाते थे। हादसे के शिकार दूसरे परिवार में पति-पत्नी और मां की मौत हो गई। यह इंडस्ट्रियल एरिया है, जहां इंडस्ट्री से निकला वेस्ट सीवर में बहाया जाता है। बता रहे हैं, भीड़-भाड़ भरे रिहाइशी इलाके में बने मिल्क बूथ के करीब हादसा हुआ। घटना वाली रात हुई बारिश का फायदा उठाकर वेस्ट बहाने की कोशिश रही होगी। चश्मदीदों के अनुसार, जो भी उनके करीब जा रहा था, बेसुध होकर गिर जाता। एनडीआरएफ की टीम ने इलाके को सील किया और सीवर से सैंपल एकत्र किए। उनके अनुसार, जांच में पता चला यह गैस हाइड्रोजन सल्फाइड है। गैस की चपेट में आकर मारे गए लोगों के घर के सामने ही यह मैनहोल है। हादसे पर प्रधानमंत्री ने दुख जताया है, और मृतकों के परिवार को दो-दो लाख रुपये देने की घोषणा की। सीवर से निकलने वाली घातक गैसों की चपेट में आकर अक्सर सफाईकर्मी भी मारे जाते हैं। बावजूद इस गंभीर समस्या का कोई समाधान नहीं खोजा जाता। इस सीवर में अगर इंडस्ट्रियल वेस्ट बहाया जा रहा था तो उसमें शामिल और मिलीभगत करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। कई बार स्थानीय लोग भी लापरवाही करते हैं, और गैर-कानूनी कामों की अनदेखी कर देते हैं। हर नागरिक का नैतिक दायित्व है कि वह इस तरह की किसी भी गतिविधि के खिलाफ डट कर खड़ा हो। हादसे में मारे गए लोगों को यही सार्वजनिक श्रद्धांजलि साबित हो सकती है। सरकार को भी केवल सांत्वना देकर संतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए, बल्कि दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के साथ ही आम जन को सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने के संदेश भी देने चाहिए।

सूक्ति

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।
- प्रेमचंद

ज्ञानं भार~ क्रियां बिना। आचरण के बिना ज्ञान केवल भार होता है।
- हितोपदेश

चिंतन-मनन

राजा की उदारता

राजा भोज के नगर में एक विद्वान ब्राह्मण रहते थे। एक दिन गरीबी से परेशान होकर उन्होंने राजभवन में चोरी करने का निश्चय किया। रात में वे वहां पहुंचे। सभी लोग सो रहे थे। सिपाहियों की नजरों से बचते हुए वह राजा के कक्ष तक पहुंच गए। स्वर्ण, रत्न, बहुमूल्य पात्र इधर-उधर पड़े थे। किंतु वे जो भी वस्तु उठाने का विचार करते, उनका शास्त्र ज्ञान उन्हें रोक देता। ब्राह्मण ने जैसे ही स्वर्ण राशि उठाने का विचार किया, मन में स्थित शास्त्र ने कहा- स्वर्ण चोर नर्पगामी होता है। जो भी वे लेना चाहते, उसी की चोरी को पाप बताने वाले वाक्य उनकी स्मृति में जाग उठते। रात बीत गई पर वे चोरी नहीं कर पाए। सुबह पकड़े जाने के भय से ब्राह्मण राजा के पलंग के नीचे छिप गए। महाराज के जागने पर रानियां व दासियां उनके अभिवादन हेतु प्रस्तुत हुईं। राजा भोज के मुंह से किसी श्लोक की तीन पंक्तियां निकली। फिर अचानक वे रुक गए। शायद चौथी पंक्ति उन्हें याद नहीं आ रही थी। विद्वान ब्राह्मण से रहा नहीं गया। चौथी पंक्ति उन्होंने पूर्ण की।

महाराज चौंके और ब्राह्मण को बाहर निकलने को कहा। जब ब्राह्मण से भोज ने चोरी न करने का कारण पूछा तो वे बोले- राजन्, मेरा शाप ज्ञान मुझे रोकता रहा। उसी ने मेरी धर्म रक्षा की। राजा बोले- सत्य है कि ज्ञान उचित-अनुचित का बोध कराता है, जिसका धर्म संकट के क्षणों में उपयोग कर उचित राह पाई जा सकती है। राजा ने ब्राह्मण को प्रचुर धन देकर सदा के लिए उनकी निर्धनता दूर की दी।

धारा 370 हटने के बाद जम्मू एवं कश्मीर बन रहा है भारत में निवेश का नया केंद्र

प्रहलाद सबनानी

यह सच है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद से स्थानीय नागरिकों में उत्साह के माहौल ने अपनी जगह बना ली है, जो कि पहिले आतंकवाद के माहौल में रहने को मजबूर थे। इस क्षेत्र में नित नए उद्योग आरंभ हो रहे हैं। यह प्रदेश के बदलते आर्थिक, वित्तीय व कारोबारी स्थिति का ही प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 38,000 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लिए अगले कुछ वर्षों में कुल 75,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, जम्मू एवं कश्मीर में जी-20 समूह की बैठक का आयोजन, भारत की अध्यक्षता में, किया जा रहा है।

ऐसा कहा जाता है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 लागू करना तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल थी, क्योंकि इसके कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों का अत्यधिक नुक्सान हुआ है। दरअसल पूरे देश में नागरिकों के हितार्थ भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ धारा 370 के कारण जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था। साथ ही, इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के कारण इस क्षेत्र में कोई भी उद्योगपति अपना निवेश करने को तैयार ही नहीं होता था।

धारा 370 को लागू करने के कारण जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को आर्थिक नुक्सान के अलावा राजनैतिक, सामाजिक एवं अन्य क्षेत्रों में पूरे भारत को ही भारी परेशानी का सामना करना पड़ा है। केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अत: भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता था, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती थी, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती थी, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था।

कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, जम्मू एवं कश्मीर के नागरिकों को लाभ के स्थान पर नुक्सान ही अधिक उठाना पड़ा है। परंतु, केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद इस क्षेत्र के नागरिकों को देश में लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाने, इस क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने एवं आतंकवाद को समूल नष्ट करने के उद्देश्य से दिनांक 5 अगस्त 2019 को भारत सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर को खास दर्जा देने वाली धारा 370 को कानूनी रूप से खत्म कर दिया था। केंद्र सरकार का यह फैसला सचमुच में बहुत दूरदर्शी साबित हुआ है क्योंकि धारा 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू एवं कश्मीर में कई बदलाव दृष्टिगोचर हैं। अब केंद्र के समस्त कानूनों एवं अन्य कई आर्थिक योजनाओं को वहां लागू कर दिया गया है इससे आम नागरिकों को बहुत सुविधा एवं लाभ हुआ है। आतंकी घटनाओं में भारी कमी आई है। आतंकवादियों की कमर तोड़ दी गई है। हजारों की संख्या में स्थानीय

नागरिकों को सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। देश का यह सबसे खूबसूरत भाग धारा 370 को लागू करने के बाद से पूरी तरह से भारत से जुड़ नहीं पाया था परंतु अब धारा 370 हटाए जाने के बाद यह क्षेत्र भी सही अर्थों में भारत के साथ जुड़ गया है।

धारा 370 को हटाए जाने के बाद से जम्मू कश्मीर में जिस तरह आधारभूत संरचना का विकास हो रहा है, कनेक्टिविटी बढ़ रही है, उससे राज्य में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार हुआ है और केलेंडर वर्ष 2022 में रिकार्ड वृद्धि के साथ 26 लाख से अधिक पर्यटक वहां पहुंचे हैं। भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से वर्ष 2019 तक जम्मू कश्मीर में तकरीबन 14,700 करोड़ रुपए का निवेश हो पाया था, जबकि पिछले केवल 3 वर्षों में यह चार गुना बढ़कर 56,000 करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। स्वास्थ्य से जुड़ी आधारभूत संरचना का भी तेजी से विकास हो रहा है। 2 नए एम्स, 7 नए मेडिकल कॉलेज, 2 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और 15 नर्सिंग कॉलेज खुलने जा रहे हैं। इस सबसे स्थानीय नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है।

हाल ही में पिछले दिनों श्रीनगर के सेमपोरा में विदेशी निवेश से निर्मित होने वाले 250 करोड़ रुपये की लागत के एक मॉल की आधारशिला उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने रखी। यह जम्मू एवं कश्मीर में विदेशी पूंजी से बनने वाला प्रदेश का पहला मॉल होगा, जिसे 2026 तक पूरा किए जाने की सम्भावना है। दुबई का एम्मार समूह इसका निर्माण कर रहा है। इसके अलावा जम्मू और श्रीनगर में डेढ़ सौ-डेढ़ सौ करोड़ रुपये की लागत वाले एक-एक आईटी टावर का विनिर्माण भी एम्मार समूह कर रहा है। यह इसका प्रमाण है कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद की बदली परिस्थितियों में जम्मू-कश्मीर में भी विदेशी निवेश आ रहा है। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा के मुताबिक, नई औद्योगिक नीति आने के 22 महीनों में 5,000 से अधिक देसी व विदेशी कंपनियों के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। साथ ही, श्री सिन्हा ने इस अवसर पर यह घोषणा भी की कि निवेश संबंधी प्रस्ताव आने के 15 दिन के अंदर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। देश के किसी भी प्रदेश में ऐसी घोषणा शायद ही पूर्व में की गई हो।

जम्मू एवं कश्मीर की अर्थव्यवस्था अभी तक कृषि और पर्यटन पर ही आधारित रही है। आतंकवाद के चलते राज्य में औद्योगिक विकास के बारे में तो कल्पना करना ही सम्भव नहीं था। परंतु अब विभिन्न कंपनियां पैकेजिंग, कोल्ड स्टोरेज, रसद, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल, चिकित्सा, पर्यटन और शिक्षा आदि क्षेत्र में भी अपनी रुचि दिखा रही हैं और निवेश कर रही हैं।

यह सच है कि जम्मू एवं कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद से स्थानीय नागरिकों में उत्साह के माहौल ने अपनी जगह बना ली है, जो कि पहिले आतंकवाद के माहौल में रहने को मजबूर थे। इस क्षेत्र में नित नए उद्योग आरंभ हो रहे हैं। यह प्रदेश के बदलते आर्थिक, वित्तीय व कारोबारी स्थिति का ही प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 38,000 करोड़ रुपए लागत की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लिए अगले कुछ वर्षों में कुल 75,000 करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, जम्मू एवं कश्मीर में जी-20 समूह की बैठक का आयोजन, भारत की अध्यक्षता में, किया जा रहा है। इस बैठक में विकसित देशों सहित विभिन्न देशों के उच्चस्तरीय नेता एवं अधिकारी भाग लेंगे। वस्तुत: जम्मू कश्मीर को लेकर केंद्र सरकार पूर्व की सभी सरकारों से अलग दृष्टिकोण से काम कर रही है। आर्थिक गतिविधियों द्वारा प्रदेश का माहौल बदलना इनमें प्रमुख है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में जम्मू एवं कश्मीर भी देश के अन्य राज्यों के समानांतर आर्थिक विकास की पटरी पर दौड़ता दिखाई देगा।

विचार-मंथन

भाजपा नेताओं का पार्टी छोड़कर जाना आश्चर्यजनक

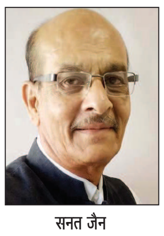

सनत जैन

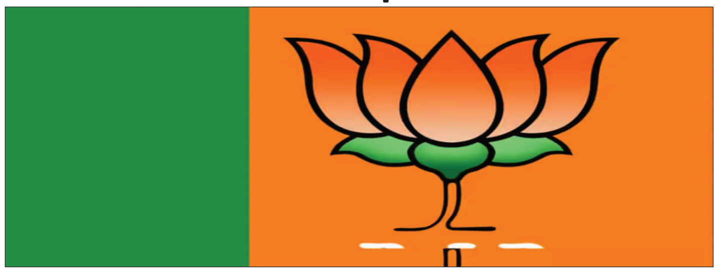

पिछले एक दशक में कांग्रेस नेता पार्टी छोड़कर,भाजपा मे जा रहे थे। अब भाजपा के नेता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में जा रहे हैं ।यह पलायन क्यों हो रहा है। खासतौर से उस पार्टी में, जो एक विचारधारा से बनी हुई पार्टी है। जिसका अपना कैडर है। संघ की विचारधारा से जोड़कर भाजपा संगठन तैयार होता है ।भाजपा छोड़ कर जाना ओर किसी अन्य दल में अपना स्थान बनाना बहुत हद तक संभव नही होता है ।कर्नाटक चुनाव के ठीक पहले पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार,पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी सहित कर्नाटक के लगभग 30 विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़कर पार्टी के उम्मीदवारों को चुनौती दी है। सैकड़ों भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस में प्रवेश ले लिया। कर्नाटक की बगावत को रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सामने आना पड़ा ।उसके बाद भी कर्नाटक में भाजपा नेताओं की बगावत को रोका नहीं जा सका। यह भाजपा और सारे देश के लिए एक आश्चर्य का विषय है। कर्नाटक का चुनाव प्रचार चल रहा है। इसी बीच छत्तीसगढ़ के आदिवासी नेता नंद कुमार साय ने भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में प्रवेश ले लिया है। नंदकुमार साय भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, तीन बार के सांसद, पार्टी के बड़े आदिवासी नेता नंदकुमार साय का पार्टी छोड़ कर जाना का भाजपा के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। अगले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव होने हैं। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ मैं आदिवासी सीटों के कारण ही सत्ता बनती और बिगड़ती है। नंद कुमार साह का पार्टी छोड़कर जाना छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश दोनों में असर डालने वाला है। भाजपा के नेताओं ने उन्हें रोकने का भारी प्रयास किया लेकिन वह रुके नहीं।

मध्यप्रदेश में विधानसभा एवं नगरीय निकाय के चुनाव के दौरान भाजपा के नाराज नेता, बागी के रूप में खड़े हो गए थे, या बागियों को समर्थन किया था। पहले पार्टी ने उन्हें 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की नाराजगी को देखते हुए, पार्टी में वापस लाने, नाराज नेताओं ओर कार्यकर्ताओं को मनाने का दायित्व वरिष्ठ नेताओं को दिया गया था। जो नेता नाराज होकर घर बैठे हैं। पार्टी उन्हें मनाने में लगी हुई है।

राजनीति में पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने कांग्रेस को निशाने पर ले रखा था। देशभर में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं की कमी नहीं थी। कांग्रेश छोड़कर क्यों जा रहे हैं इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी हमेशा कांग्रेस को निशाने पर ले रही थी ।आम जनता के बीच यह संदेश भेजा जा रहा था,कि काग्रेस मैं भगदड़ मची है। कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो गई है ।अब भारतीय जनता पार्टी में भी इसी तरीके की स्थिति देखने को मिलने लगी है। भारतीय जनता पार्टी के जो नेता परंपरागत रूप से पीढ़ी दर पीढ़ी विचारधारा से जुड़कर भाजपा मे थे। वही सबसे ज्यादा नाराज हैं। भाजपा अब एक विचारधारा की पार्टी नहीं रही। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता कहने लगे हैं, भाजपा संगठन अब एक व्यवसायिक संगठन का स्वरूप धारण करता जा रहा है। भाजपा में अब विचारधारा, कार्यकर्ताओं की कोई अहमियत नहीं है। जिसके कारण भाजपा के अंदर ही अंदर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं में उबाल आ रहा है। पिछले 10 वर्षों में पार्टी के अंदर जो परिवर्तन आए हैं। उससे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में निराशा बढ़ रही है। पार्टी में उन लोगों को लाया जा रहा है, जिनका पार्टी की विचारधारा से कोई लेना-देना ही नहीं है। बाहर से आए हुए लोगों का दखल पार्टी में बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण भाजपा को आने वाले दिनों में पलायन के संकट का सामना करना पड़ सकता है। भाजपा विचारधारा के कारण जनमानस के बीच में कई दशकों से अपना विस्तार करती आई है। अब पार्टी मे बाहर से आने वाले लोगों का कब्जा, भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को दरकिनार करना और विचारधारा से दूर होने का दर्द, हर प्रदेश में भाजपा संगठन में झलकने लगा है। भाजपा नेताओं का पार्टी छोड़कर जाना भाजपा की ताकतवर छवि को नुकसान पहुंचाने वाला है। चुनाव छवि से ही जीते जाते हैं। अभी तक हवा बनी थी, कि कांग्रेस छोड़कर नेता भाजपा की ओर जा रहे हैं। अब भाजपा नेता कांग्रेस में जा रहे हैं ।इसका असर कर्नाटक में देखने को मिला है। भाजपा मे नियंत्रण नहीं हुआ, तो आगामी चुनावों में इसका बड़ा असर, आम जनमानस के बीच में होना तय है।

बिन पानी सब सून

चेरापूंजी से सबक लीजिए

अनिरुद्ध गौड़

भारत के मेघालय राज्य में स्थित चेरापूंजी विश्व में ऐसी जगह है, जहां दुनिया की सबसे अधिक औसत बारिश होने का रिकॉर्ड है। चेरापूंजी में बरसने के लिए बादलों को कभी भी इंतजार नहीं करना पड़ता। हर समय बादल उमड़े रहते हैं, और जब चाहे जब बरस पड़ते हैं। चेरापूंजी में मार्च-अक्टूबर तक लगभग 8 महीने तक भारी वर्षा होती है। लेकिन विडंबना है कि दुनिया में सबसे अधिक बारिश के बावजूद चेरापूंजी के बाशिंदे पानी की समस्या से जूझते हुए प्यासे रह जाते हैं। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन तो है ही, वर्षा के जल का जमीन में संचित नहीं होना भी है। बड़े पैमाने पर जंगलों में अवैध कटान भी इसका एक बड़ा कारण बताया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पेड़ों की जड़ों में पहुंचने वाला पानी भूजल को बेहतरी से रिचार्ज कर देता है। बढ़ती आबादी के सापेक्ष जमीन में वाटर का रिचार्ज रेट बहुत कम है। हाल यह है कि चेरापूंजी के लोगों को पेयजल के लिए कई किलोमीटर दूर पानी लेने जाना पड़ता है। भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि भारी बारिश होने के बावजूद पठारी इलाकों से पानी नीचे बह जाता है। वाटर हार्वेस्टिंग करना भी कठिन है जबकि रूफ वाटर कलेक्शन भी कामयाब नहीं है। चेरापूंजी में ग्रेटर सोगरा जलापूर्ति योजना शुरू की गई। आस लगी थी कि झरने के स्रोतों से आने वाले पानी से लोगों की पेयजल की समस्या दूर हो जाएगी लेकिन जल स्रोत सूख जाने से आशाएं धूमिल हो गई। चेरापूंजी में खेती की जमीन भी नहीं है। युवा पलायन को विवश हैं।

चेरापूंजी का मौसम देखने के लिए पर्यटक पहुंचते तो जरूर हैं, लेकिन पानी की समस्या के कारण वहां होटलों में पर्यटक ठहरते नहीं हैं। पर्यटन व्यवसायियों का दर्द है कि भारी वर्षा के बावजूद पेयजल की कमी से पर्यटन उद्योग और रोजी-रोटी के साधन गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। हाल में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरन्मेंट (सीएसई) द्वारा आयोजित 2023- पॉलिसी एंड प्रैक्टिस फोरम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत में जल संकट जल संसाधनों की कमी के कारण नहीं, बल्कि उनके कुप्रबंधन के कारण है। जलवायु में बदलाव जल संकट को और बढ़ा रहा है। जल को लेकर सीएसई की महानिदेशक सुनीता नारायण का अध्ययन है कि पानी को लेकर देश में अब अच्छी समझ पैदा हुई है। नये मानक और आदर्श भी विकसित किए गए हैं, लेकिन जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे काफी नहीं हैं। स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए सुरक्षित पानी और स्वच्छता मानव की बुनियादी जरूरत है। वि स्तर पर जल को लेकर चिंता में संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ विकास लक्ष्यों की बात करें तो 2030 तक निर्धारित कुल 17 लक्ष्यों में छठा लक्ष्य जल और स्वच्छता है।

भारत में पेयजल की समस्या दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2019 को जल जीवन मिशन (जेजेएम) की शुरुआत की। इसका उद्देश्य 2024 तक हर घर जल आपूर्ति का लक्ष्य है। यह महिलाओं को पानी का भारी बोझ ढोने के सदियों पुराने कष्ट से मुक्त कराने का ठोस प्रयास है। जल शक्ति मंत्रालय की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2019 में ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 15.93 करोड़ परिवारों में से 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) के पास ही नल जल कनेक्शन थे। योजना के मुताबिक, 2024 तक 83 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को नल जल आपूर्ति का लक्ष्य है। जल जीवन मिशन 2024 तक सभी ग्रामीण घरों में नल जल की आपूर्ति सुनिश्चित कर 6 साल पहले भारत के एसटीडी-6 लक्ष्य पा ले तो भारत विकासशील देशों के लिए आदर्श बन सकता है।

बारिश के पानी को विभिन्न स्रोतों और तरीकों से सुरक्षित और संकलित करना वर्षा जल संचयन कहलाता है ताकि जरूरत पड़ने पर संचित वर्षा जल का उपयोग किया जा सके। भारत में आधुनिकीकरण के चलते गांव शहर में बदल रहे हैं, जनसंख्या बढ़ रही है। जल संचयन की सदियों पुरानी प्रवृत्तियां गुल हो गई हैं। भारत के प्राचीन जल संचयन पर दृष्टिपात करें तो भारत में करीब 200 साल पहले लाखों तालाब, कुएं, बावड़ियां, झरने, झील, पोखर आदि हुआ करते थे। भारतीय संस्कृति जल संसाधनों को पूजने वाली रही है। जल संचयन के सदियों से चले आ रहे पारंपरिक तरीकों से पेयजल और कृषि कायरे के लिए पानी का उपयोग किया जाता था।

भूजल रिचार्ज हमारे इकोसिस्टम में था जो आज हमारी लापरवाहियों के कारण नदारद हो गया है, जबकि अन्य देश भारत के जल संसाधन सहेजने के पुराने तरीके अपना कर पेयजल की समस्या से निजात पा रहे हैं। सर्वाधिक वर्षा के लिए चेरापूंजी मशहूर है। इसके बावजूद इलाका पानी के लिए तरस रहा है। चेरापूंजी में पानी की दिक्कत को सुलझाने के तरीके समझ में नहीं आ रहे या आ भी रहे हैं, तो सफल नहीं हो रहे। बाकी इलाकों की समस्या सुलझाने की तो बस, कल्पना ही की जा सकती है। कमोबेश पानी की समस्या सभी जगह है। पानी सहेजने और बचाने के तरीकों का पालन नहीं किया जाएगा तो पानी के लिए तरसेंगे नहीं, तिल-तिल मर जाएंगे। पानी को सहेजना प्रत्येक भारतवासी का कर्त्तव्य है।

मेडिकल रिप्रिजेन्टेटिव सदाबहार कॅरिअर

जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती।

गला काट प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बाजार में टिके रहने के लिए कंपनियां विपणन नीति का सहारा ले रही हैं। इससे दवा कंपनियां भी अछूती नहीं हैं। भूमंडलीकरण ने इस प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे मल्टी नेशनल कंपनियां भारतीय दवा बाजार में पैर फैला रही हैं वैसे-वैसे हर कंपनी आक्रामक विपणन नीति का सहारा ले रही है। इसके लिए दवा कंपनियां मेडिकल रिप्रिजेंटिव की नियुक्ति करती हैं जो चिकित्सक, दवा कंपनियों और उनके ग्राहकों के बीच की बहुत ही महत्वपूर्ण कड़ी है। इनके बिना कोई भी कंपनी अपना व्यवसाय फैला नहीं सकती। लिहाजा इस क्षेत्र में भी रोजगार के बेहतर अवसर खुल रहे हैं।

मेडिकल रिप्रिजेंटिव के क्षेत्र में कॅरियर बनाने के इच्छुक अभ्यार्थी को विज्ञान स्नातक होना आवश्यक है। लेकिन फार्मेसी में डिग्री और डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी को सभी दवा कंपनी प्राथमिकता देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में सफलता हासिल करने के लिए डिग्री से ज्यादा धैर्य, लगन तथा वाकपटुता की जरूरत होती है। इसके साथ ही आकर्षक व्यक्तित्व, बातचीत से दूसरे को प्रभावित करने की क्षमता और सकारात्मक सोच का होना भी जरूरी है।

एक मेडिकल रिप्रिजेंटिव यानी एमआर का काम मेडिकल व्यवसाय से जुड़े, व्यवसायियों, चिकित्सकों से संपर्क कर अपनी कंपनी द्वारा उत्पादित दवाओं की गुणवत्ता बताना होता है। उन्हें इस तरह समझाना होता है कि चिकित्सक रोगियों को उन्हीं की कंपनी की दवा लिखे। एक एमआर को अपनी कंपनी की उत्पादित तमाम दवाओं की जानकारी रखना होता है और चिकित्सकों और व्यवसायियों को बताना होता है। यानी वह कंपनी और व्यवसायियों के बीच एक पुल का काम करता है। एक तरह से उसके कंधे पर कंपनी की सफलता की पूरा दारोमदार टिका हुआ है।

एक एमआर को वेतन उसकी योग्यता और कंपनी के स्तर के आधार पर मिलता है। शुरुआत में एक एमआर को 5 से लेकर 15 हजार रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा वाहन, यात्रा भत्ता, हाउसिंग और सुविधाएं अलग से मिलती हैं। देश के कई संस्थानों में मेडिकल प्रशिक्षण और फार्मा मार्केटिंग मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ फार्मेसी और डिप्लोमा इन फॉर्मेसी के कोर्स कराए जाते हैं। इनमें से कुछ प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं-

- हमदर्द कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मदनगीर, दिल्ली।
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, पुष्प विहार, महरौली, दिल्ली।
- महिला पॉलीटेक्निक, महारानीबाग, नई दिल्ली।
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
- बॉम्बे कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मुंबई, महाराष्ट्र।
- बिहार कॉलेज ऑफ फार्मेसी, अनिसाबाद, पटना, बिहार।

सफलता का आईना हो आपका रिज्यूमे

नौकरी प्राप्त करने का पहला कदम रिज्यूमे प्रेषित करना होता है। आपका रिज्यूमे आपकी सफलता का आईना हो, जिसमें सब कुछ स्पष्ट दिखे। वह केवल आपकी सफलता ही नहीं, बल्कि आपके कार्य-इतिहास के बारे में भी सब कुछ कहे, ताकि नियोक्ता को कहीं कोई शंका न रह जाए।

आज के प्रतिस्पर्धा भरे माहौल में आपको दूसरों से अलग बनाती हैं आपकी सफलताएं। यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं, ताकि आपके रिज्यूमे में आपकी सफलताएं भली-भांति प्रदर्शित हों। जहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है, वहां केवल योग्यता और कार्यानुभव के दम पर अच्छी नौकरी पाना आसान नहीं है। ऐसे में आपकी छोटी-बड़ी सफलताएं ही हैं, जो आपको अन्य लोगों से आगे रखती हैं। आप किसी कंपनी के लिए कितने तरीके से लाभदायी सिद्ध हो सकते हैं, इस बात को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और इसे बताने के लिए जरूरी है कि आपका रिज्यूमे बेहतरीन तरीके से तैयार किया जाए, जो आपको साधारण आवेदक की श्रेणी से विशेष की श्रेणी में पहुंचाएगा।

उत्तरदायित्वों को पेश करें

अपना रिज्यूमे तैयार करने का एक बढ़िया तरीका है कि आप शब्दों का चयन चतुराई से करें। यहां तक कि जब आप अपने कार्य उत्तरदायित्वों की बात करें तो उन्हें ऐसे पेश करें कि वे आपकी सफलताएं नजर आएं। मिसाल के तौर पर..

पहले- उत्तरी क्षेत्र में सेल्स की जिम्मेदारी।

अब- समूचे उत्तरी क्षेत्र के सेल्स प्रमुख।

देखिए कैसे 'जिम्मेदारी' की जगह 'प्रमुख' क्रिया का इस्तेमाल करते ही रिज्यूमे आपकी जो छवि बनाता है, उसमें कितना अंतर दिखाई देने लगा है। अगर एक रिज्यूमे में सिर्फ आपके उत्तरदायित्वों का ही जिक्र होता है तो किसी भी कंपनी को यह बिल्कुल समझ में नहीं आता कि आप असल में करते क्या थे! साथ में उन्हें बमुश्किल ही पता चल पाता है कि आप उनके लिए क्या कर सकते हैं। इस बात का खास ख्याल रखें कि अपनी रोजमर्रा की जिम्मेदारियों को बताने के लिए दमदार क्रिया-शब्दों जैसे लेड, इनीशिएटेड, स्पीयरहेडेड, कंट्रोल्ड, एक्सेलरेटेड, अटेंड, कॉन्सेप्चुलाइज्ड, कंडक्टेड, डिवाइस्ड, डायरेक्टेड, ड्राफ्टेड, एक्जीक्युटेड, एन्हैंस्ड, एस्टेब्लिश्ड आदि का इस्तेमाल करें। इन शब्दों के माध्यम से आपकी छवि एक सक्रिय कर्मचारी की बनेगी और कंपनी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जब आप यह कहेंगे कि आपको क्या हासिल हुआ, बजाए इसके कि आप क्या संभालते थे तो आपकी छवि एक उत्तरदायी और पहल करने वाले कर्मचारी के रूप में बनेगी, न कि सिर्फ ऐसे व्यक्ति के रूप में, जो केवल दिया हुआ काम ही पूरा करता है।

जिम्मेदारियों के बारे में बताएं

किसी कंपनी को यह बताना भी बेहद महत्वपूर्ण है कि आप अपने काम को कितने अच्छे तरीके से संभालते हैं। इसके लिए भी आपको 'रिस्पॉन्सिबल फॉर' से कुछ अधिक कहना होगा, जैसे..

पहले- कंपनी में एमआईएस इंटरफेस की जिम्मेदारी।

अब- नए मार्केट्स की तलाश और क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने के लिए एमआईएस के साथ तकनीकी तरक्की के लिए कार्य (इंटरफेस)।

पहले जो रिज्यूमे में लिखा गया है, उससे कंपनी के दिमाग में यह बात स्पष्ट नहीं होती कि आप कितने प्रभावी तरीके से अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे थे, वहीं दूसरे मामले में 'इंटरफेस' शब्द ने आपको एक सक्रिय आवेदक के रूप में प्रस्तुत किया है। इस तरह किसी भी कार्य के साथ जुड़ने ने यह दिखा दिया है कि आपका इसमें क्या योगदान रहा और यही आपकी सफलता भी है। साथ ही इससे कंपनी को यह भी समझ में आ गया कि भविष्य में आप किस प्रकार से उन्हें योगदान दे सकते हैं। दरअसल हम एक बेसिक रिज्यूमे में अपने संपर्क की जानकारी, अपना उद्देश्य, अपने बारे में जानकारी, कार्यानुभव, अतिरिक्त गतिविधियां और दूसरी जानकारी देने में काफी जल्दबाजी करते हैं। हम अक्सर ऐसी जगह आकर रुक जाते हैं, जहां हमें वास्तव में अपनी वर्तमान कंपनी में अपने योगदान का जिक्र करना चाहिए।

एक दमदार रिज्यूमे का मुख्य तत्व 'प्रमाण' होता है। प्रमाण इस बात का कि आपने रिज्यूमे में जो कुछ भी कहा है, आप उसकी इज्जत रखेंगे - और यह प्रमाण आपके वाइटल स्टेटस में होता है, जिसमें तथ्य व आंकड़े या परिणाम दर्शाने वाले कथन होते हैं। ये सब आपके वर्तमान कार्य को दर्शाते हैं व आपको एक सफल व कार्य करने के इच्छुक कर्मी के रूप में साबित करते हैं।

जब भटक जाए करियर प्लान

कॉलेज डिग्री के बाद आप कॉर्पोरेट जगत में अपना प्रोफेशनल जीवन शुरू करते हैं। इसके लिए आप इंटरव्यू की तैयारियां भी पूरे मनोयोग से करते हैं, जहां 'आप पांच वर्ष में खुद को कहा देखते हैं?' जैसे प्रश्नों की आप खास तैयारी करते हैं। लेकिन पांच या दस वर्ष बाद आपकी महत्वाकांक्षाएं कितनी पूरी हो पाती हैं? क्या आप अपनी प्रगति से संतुष्ट होते हैं या आपको लगता कि यदि एक और मौका मिले तो आप अपने प्रयास कुछ अलग तरीके से करना चाहेंगे ? जब करियर लक्ष्य पूरे न हों तो निराशा होनी स्वाभाविक होती है; फिर जरूरी हो जाता है कि आप अपनी मौजूदा स्थिति का आकलन करें और करियर ग्राफ को ऊपर ले जाने के लिए भावी योजना की रूपरेखा एक बार फिर तैयार करें।

निराशा से जूझना - क्या शुरुआत में वह नौकरी आपके हाथ से निकल गई थी जिसे आप सचमुच प्राप्त करना चाहते थे, और क्या आपका मौजूदा कार्य आपको तरक्की करने के पूरे मौके नहीं दे रहा और क्या कोई नया ऑफर भी आपकी ओर नहीं आ रहा, या फिर कई नौकरियां बदलने के बावजूद आप वहां नहीं पहुंच पा रहे जहां पहुंचने की आपने उम्मीद की थी, और इन सबके अलावा अर्थव्यवस्था का कठिन दौर भी आपके खिलाफ जा रहा है?

कई बार आपके सच्चे प्रयासों के बाद भी परिस्थितियां शुरू से ही आपके विपरीत रहती हैं। फिर भी, यहां यह ध्यान रखना होगा कि आप जो रास्ता पार कर चुके हैं, उस पर आप वापस तो नहीं जा सकते, लेकिन भविष्य की तैयारी अपने अनुसार जरूर कर सकते हैं।

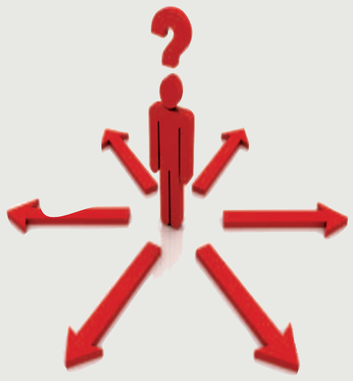

पुनप्रयास - तो यदि आपको लगता है कि आपके करियर चार्ट में कुछ कमी है तो उसका सही **आकलन करें** - क्या यह वह बुनियादी हुनर है जिसकी कमी से आप बड़ी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन पा रहे हैं या कोई सॉफ्ट स्किल है जो महत्वपूर्ण कार्य संबंधों को आपसे दूर रख रहा है? इसके बाद, उपरोक्त कमियों को दूर करने के लिए जरूरी प्रशिक्षण के बाद की परिस्थितियों का भी आकलन करें। यह भी जरूरी है कि आप अपने करियर के मौजूदा दौर में प्रशिक्षण की महत्ता को समझें।

फोकस बदलें - आपने अपनी सारी ऊर्जा एक ही दिशा में लगा दी थीं, परंतु वह आपके काम नहीं आई। तो अब समय आ गया है कि आप आगे बढ़ें और अन्य दिशाओं में अपने प्रयास शुरू कर दें। इसका मतलब करियर की दिशा में परिवर्तन नहीं होता, बल्कि मौजूदा कार्य के साथ नई जिम्मेदारियां उठाना, जिनमें आपको कुछ नए हुनर सीखने की जरूरत हो। याद रखें कई बार विपरीत परिस्थितियों में नए अवसर छुपे होते हैं; एक अदद निराशा को अपने समूचे करियर को नुकसान न पहुंचाने दें।

खुद पर भरोसा - दुविधा के समय अपने निर्णयों पर सवाल करना अक्सर एक प्राकृतिक क्रिया होती है; परंतु जरूरी है कि अपनी सोच और क्षमताओं पर विश्वास डगमगाना नहीं चाहिए। गलत नौकरी या विपरीत परिस्थितियों का शिकार होना ही आपके बारे में नहीं बताता। इसलिए, अपनी जमीन पर जमें रहें।

कैसे पाएं प्रोमोशन

अप्रेजल का समय आने को है। इसके बहाने आप अपने कार्य की समीक्षा स्वयं भी कर सकते हैं। तो शुरुआत कीजिए इस कार्य की जो आपको इस वर्ष तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ाने जा रहा है। बता रहे हैं जोल गार्फिकल

फर्ज करें आपके बॉस, आपके बॉस के बॉस और अन्य कंपनी एग्जीक्यूटिव्स एक साथ बैठकर आपके बारे में विचार कर रहे हों। इस दौरान वह आपके कार्य चरित्र, आपकी लीडरशिप क्वालिटीज, आपके प्रोजेक्ट्स, आपके अधीनस्थों, आपके द्वारा प्राप्त नतीजों और गत वर्ष के दौरान आपकी परफॉरमेंस के बारे में चर्चा करते हैं। यह समिति एक बहुत महत्वपूर्ण नतीजा लेती है- आपको तरक्की मिलनी चाहिए या नहीं ? बेशक आपके संस्थान में इस कार्य से जुड़ा कोई अनौपचारिक तरीका न हो, लेकिन इस तरह की प्रक्रिया कमोबेश प्रत्येक छोटी या बड़ी कंपनी में होती है। दरअसल, इस प्रक्रिया के दौरान कुछ ऐसा होता है- प्रत्येक मैनेजर अपनी पसंद के प्रत्याशी को तरक्की प्राप्त करने के सबसे बड़े उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है। उस समय समिति के अन्य सदस्य यह जानना चाहते हैं कि ऐसा क्यों है।

इसलिए ऐसे समय आपको एक ऐसे मैनेजर का सहयोग होना चाहिए जो आपके बारे में सही छवि पेश कर सके। आपके मैनेजर के साथ अन्य ऐसे मैनेजर्स और एग्जीक्यूटिव्ज भी होंगे जिन्होंने आपके साथ काम किया है, वह भी अपने विचार रखेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि वह आपका सकारात्मक और असरकारी रूप सामने रखें। जाहिर है जब प्रत्येक मैनेजर अपने प्रत्याशी के पक्ष में बात सामने रखेगा, उस समय प्रतिस्पर्धा बहुत सख्त हो जाएगी। प्रत्याशियों की संभावी तरक्की के बारे में अधिकारियों के बीच यह मंत्रणा ईमानदार और कड़वी भी हो सकती है। यदि आपको कोई पसंद नहीं करता, तो वह भी ऐसे समय स्पष्ट हो जाता है। कई बाद हालात उस समय सचमुच बिगड़ जाते हैं जब अपने प्रत्याशी को किसी भी कीमत पर तरक्की दिलाने पर उतारू कोई मैनेजर अन्य प्रत्याशियों की बढ़-चढ़ कर बुराइयां करने लगता है। तो तरक्की पाने का आपका मौका तब अधिक होता है जब आपको -

- हाई परफॉरमेंस रिव्यूज मिले हों।
- आपने दिए गए सभी लक्ष्य प्राप्त कर लिए हों।
- आपने भावी सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने की शुरुआत कर दी हो।
- आपने टीम के कार्य पूरे कर दिए हों।
- कंपनी को बचत करने की विधि बताई हो।
- अतिरिक्त कार्यों की जिम्मेदारी ली हो।
- नए संबंध स्थापित किए हों।
- कार्य के दौरान ज्यादा देर तक काम किया हो।

परंतु कुछ बिंदु आपके खिलाफ भी जा सकते हैं यदि -

- समिति में सब आपको, आपके कार्य और उपलब्धियों से परिचित न हों।
- मंत्रणा के दौरान यदि ज्यादा लोगों ने आपके पक्ष में न बोला हो।
- आप दफ्तर की राजनीति से दूर रहते हों यानी आप समूचे 'खेल का हिस्सा' न हों।
- आपने दिए गए कार्य से अतिरिक्त कुछ और न किया हो।
- यदि नीति निर्धारक आपसे प्रभावित न हों और कम ही लोग आपके पक्ष में बात रख रहे हों।

यदि प्रोमोशन नहीं मिलती तब?

यदि ऐसा होता है तो तुरत-फुरत अपने रिज्यूमे अन्य स्थानों को भेजने न शुरू कर दें। इससे अनुभव लें और अगली बार के लिए तैयार रहें। कुछ उपाय-

बॉस से सही फीडबैक लें

प्रोमोशन से जुड़ी मीटिंग की अधिकाधिक जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करें। आपके बॉस बेशक ऐसे समय कुछ बातें आपको नहीं बताएं, परंतु फिर भी वह बिना नाम लिए जरूरी जानकारी आपको दे सकते हैं।

अपनी कमियों को भी जाहिर करें

रक्षात्मक न बनें। अपनी कमियों को दूर करने के लिए अपने बॉस के साथ काम करें। उदाहरण के लिए, यदि वरिष्ठ समूह कहता है कि आप वित्तीय मामलों में अधिक मजबूत नहीं हैं, तो कहें कि आप इस विषय में प्रशिक्षण लेने को तैयार हैं।

अगली मीटिंग का इंतजार न करें

यह कभी न सोचें कि आपका कार्य अपनी पहचान खुद बनेगा। आपका लक्ष्य होना चाहिए कि मीटिंग रूम में सब को आपकी उपलब्धियों का पहले से पता हो। इसके लिए कंपनी के हित में आपके कार्य के बारे में नीति निर्माताओं को समझाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करें।

तरक्की प्राप्त करने से जुड़े तीन उपाय

चूंकि अब आप जानते हैं कि इस दौरान 'खेल' खेला जाता है, तो प्रोमोशन प्राप्त करने से जुड़े कुछ उपाय जानिए।

बॉस को करें तैयार

इस बात पर ध्यान दें कि आपके बॉस के पास आपकी उपलब्धियों से जुड़ी सभी जानकारी दस्तावेजों के रूप में मौजूद हो।

बॉस को सहयोग दें

ऐसे कुछ बिंदुओं को तैयार करें जो बताएं कि आप क्यों आदर्श प्रत्याशी हैं। इन बिंदुओं के साथ अत्य तथ्यात्मक जानकारी भी दें जो कंपनी के हित से जुड़ी हो। कुछ बड़े ग्राहकों या उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रशंसा पत्र आदि भी साथ रखें।

अन्य लोगों की प्रतिक्रियाओं का पूर्वानुमान

अपने सहयोगियों का लाभ लें और विरोधियों द्वारा संभावी नुकसान का आकलन करें। अपने बॉस को यह भी सूचना दें कि आपने मंत्रणा कक्ष में मौजूद लोगों की किस तरह मदद की थी। यदि कुछ विरोधी तत्व आपकी नजर में हैं तो उनकी जानकारी भी बॉस को दें। उनसे आपके बॉस कैसे निपटें, इस पर विचार किया जाना जरूरी होता है।

सोने , चांदी में गिरावट

नई दिल्ली ।घरेलू बाजार में मंगलवार को सोने , चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 225 रुपये के नुकसान के साथ ही 60,075 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 380 रुपये की गिरावट के साथ ही 75,600 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। बाजार जानकारों के अनुसार , ''दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत 225 रुपये टूटकर 60,075 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी है।'' वहीं विदेशी बाजारों में सोना गिरावट के साथ 1,987 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी घटकर 25.05 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई।

कोल इंडिया लि. के कोयला उत्पादन में अप्रैल में 7.7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली । दुनिया की सबसे बड़ी कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) के कोयला उत्पादन में अप्रैल में 7.7 प्रतिशत की बढोतरी हुई है। साथ ही कोल इंडिया की विभिन्न उपयोगकर्ताओं को कोयले की आपूर्ति भी बेहतर रही है। कोल इंडिया ने कहा कि उसने अप्रैल में 'ओवरबर्डन रिमूवल' (ओबीआर) यानी में एक साल पहले के सामान माह की तुलना में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कोयला खानों से कोयला निकालने में जब मिट्टी और पत्थर की परतें हटाने की जरूरत पड़ती है, तब उस ओबीआर कहा जाता है। ओबीआर की लागत काफी ऊंची बैठती है। कंपनी ने कहा कि इससे उस आगामी मानसून के महीनों में उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी ने सालाना आधार पर गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) को आपूर्ति में 44 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। इन गर्मियों में बिजली की मांग नए उच्चस्तर पर पहुंचने की संभावना के बीच कोल इंडिया अपना उत्पादन और आपूर्ति बढ़ा रही है। मोदी सरकार पहले ही कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को अपनी पूरी क्षमता पर परिचालन करने का निर्देश दे चुकी है। देश में 70 प्रतिशत बिजली उत्पादन कोयले के द्वारा होता है। आंकड़ों के अनुसार, कोल इंडिया का उत्पादन अप्रैल में 7.7 प्रतिशत बढ़कर 5.76 करोड़ टन रहा है। अप्रैल, 2022 में कंपनी ने 5.35 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। कंपनी ने कहा कि ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (ईसीएल) को छोड़कर उसकी सभी अनुषंगियों ने अप्रैल में अपना सबसे ऊंचा उत्पादन दर्ज किया है।

टीसीएस ने कर्मचारियों को 45 दिन पहले ही फॉर्म 16 भेज दिया

मुंबई ।देश की सबसे बड़ी नियोक्ता फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने अपने छह लाख कर्मचारियों के लिए 45 दिन पहले ही फॉर्म 16 भेज दिया है, ताकि वे समय पर आयकर रिटर्न जमा कर सकें। टीसीएस के उप मुख्य वित्त अधिकारी लक्ष्मीनारायणन जी एस ने कहा कि 27 अप्रैल तक कर्मचारियों के लिए फॉर्म 16 जारी किए गए और सभी मौजूदा एवं पूर्व कर्मचारियों को ये फॉर्म भेजे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि टीसीएस के कर्मचारियों को बेहतर अनुभव देने के लिए यह पहल की गई है जिसमें प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर मानवीय हस्तक्षेप को कम किया गया है। इस काम को आउटसोर्स करने के बजाय अंदरूनी स्तर पर ही अंजाम दिया गया। कंपनी के कॉरपोरेट वित्त विभाग में वैश्विक कर्मचारी सेवाओं की प्रमुख अश्विनी केनेडी ने कहा कि निर्धारित समय से 45 दिन पहले ही फॉर्म 16 तैयार करने की कवायद सितंबर, 2022 से ही शुरू कर दी गई थी।

सेबी ने एफसीआरएल और किशोर बियानी सहित 13 अन्य पर जुर्माना लगाया

नई दिल्ली ।भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रैक्सिस होम रिटेल के शेयरधारकों के लिए खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करने में विफल रहने पर फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज, किशोर बियानी और 13 अन्य पर कुल 20 लाख रुपए का जुर्माना लगा दिया हैं। सेबी ने इन लोगों को 45 दिन में जुर्माना देने को कहा है। बाजार नियामक ने अपनी जांच में पाया कि फ्यूचर कॉरपोरेट रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड (एफसीआरएल), 14 अन्य इकाइयों के साथ प्रैक्सिस में एफसीआरएल की हिस्सेदारी में वृद्धि के बाद खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करने में विफल रही। प्रैक्सिस के कुल 30 लाख इक्विटी शेयरों को इसकी एक प्रवर्तक इकाई एफसीआरएल को आवंटित किया गया था। एफसीआरएल ने 3,180 अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (सीसीडी) को बदलने का विकल्प चुना था। उस कुल 7,500 सीसीडी आवंटित किए गए थे। सीसीडी को बदलने का विकल्प चुनने के बाद प्रैक्सिस में एफसीआरएल की हिस्सेदारी दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही में 47.43 प्रतिशत से बढ़कर 53.13 प्रतिशत हो गई थी। उसकी शेयरधारिता में 11 फरवरी, 2020 तक 5.71 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। सेबी के जारी आदेश के मुताबिक, चूंकि आवंटन के बाद प्रैक्सिस में एफसीआरएल की शेयरधारिता में 5.71 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो पांच प्रतिशत से अधिक है, इसके बाद एफसीआरएल और अन्य को शेयरों के पर्याप्त अधिग्रहण और खरीद-एसएएसटी नियमन के तहत खुली पेशकश की सार्वजनिक घोषणा करनी चाहिए थी। सेबी ने पाया कि इन 15 इकाइयों ने इसकी सार्वजनिक घोषणा नहीं की। इसके बाद सेबी ने एफसीआरएल पर 10 लाख रुपए और 14 अन्य इकाइयों... किशोर बियानी, अकार एस्टेट एंड फाइनेंस, सरप्लस फिनवेस्ट, रिटेल ट्रस्ट, अनिल बियानी, अशनी किशोर बियानी, अवनी बियानी, गोपीकिशन बियानी, लक्ष्मीनारायण बियानी, राकेश बियानी, सुनील बियानी, विजय बियानी और विवेक बियानी पर सामूहिक रूप से 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

रुपया 81.88 पर बंद

मुंबई ।अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया .16 पैसे की गिरावट के साथ ही 81.88 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया शुरूआती कारोबार में 10 पैसे लाभ के साथ 81.72 प्रति डॉलर पर खुला। अन्य वैश्विक मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर होने तथा घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत रुख से रुपये में मजबूती आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निवेश और कच्चा तेल का भाव 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आने से भी रुपए को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे चढ़कर 81.72 पर खुला। शुक्रवार को अमेरिका मुद्रा के मुकाबले रुपया 81.82 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और शेयर बाजार महाराष्ट्र दिवस के मौके पर सोमवार को बंद थे।

सुजलॉन को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला

नई दिल्ली ।नवीकरणीय ऊर्जा समाधान कंपनी सुजलॉन को जुनिपर ग्रीन एनर्जी से 69.3 मेगावॉट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी के मंगलवार को बयान में कहा कि यह परियोजना गुजरात के सुरेंद्र नगर जिले में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार सुजलॉन समूह ने जुनिपर ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड से 69.3 मेगावॉट पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए तीन मेगावॉट उत्पाद श्रृंखला का दूसरा ऑर्डर हासिल किया है। हालांकि, कंपनी ने इस ठेके की राशि का खुलासा नहीं किया है। सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेपी चलसानी ने कहा ?कि हमें जुनिपर ग्रीन एनर्जी से पहले ऑर्डर और तीन मेगावॉट श्रृंखला के दूसरे ऑर्डर की घोषणा करते हुए काफी खुशी हो रही है। सुजलॉन हाइब्रिड लैटिस ट्यूबलर (एचएलटी) टावर के साथ 3.15 मेगावॉट की रेटेड क्षमता वाले 22 पवन टर्बाइन जनरेटर (डब्ल्यूटीजी) स्थापित करेगी। करार के तहत सुजलॉन पवन टर्बाइन (उपकरणों की आपूर्ति) की आपूर्ति करेगी और परियोजना का निर्माण और उसे चालू करने का काम करेगी। परियोजना चालू होने के बाद सुजलॉन इसका रखरखाव भी करेगी।

कैंपा कोला को देशभर में फैलाने का नया प्लान, अनेक कंपनियों के साथ हुई डील

नई दिल्ली। रिलायंस रिटेल कैंपा कोला को पूरे देश में फैलाने के लिए अलग-अलग कंपनियों के साथ डील कर रही है। कैंपा कोला को और बड़ा करने के लिए मुकेश अंबानी ने बड़ा प्लान बनाया है। इस बार उन्होंने श्रीलंका की सीलोन बेवरेज इंटरनेशनल कंपनी के साथ साझेदारी की है। सीलोन बेवरेज इंटरनेशनल दुनिया के दिग्गज स्पिनर और पूर्व श्रीलंकाई प्लेयर मुथैया मुरलीधरन की है। इस डील से कैंपा कोला के एक्सपेंशन, उसके विस्तार में मदद मिलेगी। कैंपा कोला के मार्केट का विस्तार होगा। जाहिर है कि इससे कोका कोला और पेप्सी की टेंशन बढ़ेगी। पहले से ही रिलायंस के प्राइस वॉर ने इन कोल्ड ड्रिंक्स कंपनियों की टेंशन बढ़ा रखी है। हालांकि रिलायंस रिटेल ने सीलोन बेवरेज

इंटरनेशनल से कैंपा कोला के लिए कैन की को-पैकिंग के लिए डील की है। इसके अलावा दोनों कंपनियों के बीच मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने को लेकर भी सहमति बनी है। यहां सीलोन बेवरेज इंटरनेशनल के कुछ ब्रांडों के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) को मिलने की संभावना है। वहीं श्रीलंका की सबसे बड़ी बेवरेज कैन और फिलिंग कंपनियों कैंपा कोला के लिए को पैकिंग करेगी।

श्रीलंका की सीलोन बेवरेजेज के प्लांट बड़ी बेवरेज कैन और फिलिंग कंपनियों में से एक है। इसकी क्षमता हर 300 मिलियन बेवरेज कैन फिलिंग की है। सीलोन बेवरेजेज दुनिया भर में बेवरेज कंपनियों को कैंस की सप्लाई करती है। कंपनी का प्रति घंटा प्रोडक्शन 48000 से अधिक कैन का है। इस डील से रिलायंस रिटेल वेंचर्स को बड़ा फायदा देने वाला है। कंपनी अपनी पहुंचे तेजी से स्मॉल और मिड साइज के डिस्ट्रीब्यूटर्स तक पहुंचाना चाहती है। कंपनी के सामने कोका-कोला और पेप्सिको जैसे बड़े खिलाड़ी है। इन कंपनियों के सामने टिकटने के लिए कैंपा कोला को अपने नेटवर्त का विस्तार और सप्लाई में तेजी लानी होगी।

रिलायंस कैपिटल को खरीदने आईआईएचएल को मिला 50 हजार करोड़ का ऑफर

मुंबई। हिंदुजा समूह की शाखा, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग लिमिटेड (आईआईएचएल) को हाल ही में संपन्न नीलामी में रिलायंस कैपिटल के अधिग्रहण के लिए लिए प्रमुख विदेशी उधारदाताओं से 50 हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव मिला है। कुछ प्रमुख बैंक और वित्तीय संस्थान जिन्होंने आईआईएचएल को वचनबद्धता पत्र दिया है, उनमें जेपी मॉर्गन, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, बार्कलेज, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, वर्डे पार्टनर्स, और फरलॉन कैपिटल शामिल हैं। आईआईएचएल ने ऋण और इक्विटी के संयोजन के माध्यम से 10,000 करोड़ रुपये के रिलायंस कैपिटल अधिग्रहण को निधि देने की योजना बनाई है। ऋण इक्विटी अनुपात 80~20 होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार आईआईएचलएल रिलायंस कैपिटल के लिए 10,000 करोड़ रुपये की पेशकश कर रहा है, जबकि कंपनी का परिसमापन मूल्य (एलवी) और उचित मूल्य (एफवी) क्रमश- 13,000 और 17,000 करोड़ रुपये आंका गया है। अधिग्रहण लागत और रिलायंस कैपिटल के उचित मूल्य में भारी अंतर हिंदुजा समूह और उधारदाताओं के लिए भी सौदा अत्यधिक आकर्षक बनाता है। मॉरीशस स्थित आईआईएचएल, हिंदुजा समूह की होल्डिंग निवेश शाखा है, जिसका मुख्यालय यूके में है। अशोक पी. हिंदुजा आईआईएचएल के अध्यक्ष हैं। कई क्षेत्रों और कंपनियों में विभिन्न निवेशों के अलावा, आईआईएचल के पास समूह के स्वामित्व वाले इंडसइंड बैंक में 12.58 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी है। लगभग 88,000 करोड़ रुपये के मौजूदा बाजार पूंजीकरण पर, इंडसइंड बैंक में आईआईएचल की हिस्सेदारी का मूल्य लगभग 11,000 करोड़ रुपये अनुमानित है।

रुपए मूल्य में बॉन्ड जारी कर कोष जुटाने पर विचार करेगा एडीबी

दक्षिण कोरिया । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसात्सुगु असाकावा ने कहा कि बैंक रुपए मूल्य में बॉन्ड जारी कर कोष जुटाने के विकल्प पर विचार करेगा। स्थानीय मुद्रा में कोष जुटाने से विदेशी मुद्रा विनिमय के स्तर पर होने वाला उतार-चढ़ाव कम होता है। असाकावा ने कहा कि हम विदेशी मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव के जोखिम से बचने के लिए स्थानीय मुद्रा में वित्त पोषण को बढ़ावा देने को इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि निर्णय बाजार स्थिति, मांग और आपूर्ति पर निर्भर करेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व में बहुपक्षीय वित्त पोषण एजेंसी एडीबी ने देश में परियोजनाओं के वित्त पोषण को लेकर रुपए मूल्य में बॉन्ड जारी कर कोष जुटाया है। एशियाई विकास बैंक ने जनवरी 2021 में इंडिया आईएनएक्स के वैश्विक प्रतिभूति बाजार मंच पर 300 करोड़ रुपये मूल्य के 10 साल के मसाला बॉन्ड यानी रुपए मूल्य में बॉन्ड को सूचीबद्ध कराया था। इंडिया आईएनएक्स अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार है। यह गुजरात में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र गिफ्ट सिटी में स्थित है। असाकावा ने एडीबी के संचालन बोर्ड की 56वीं सालाना आम बैठक की शुरूआत के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत में अगले पांच साल में 25 अरब डॉलर के निवेश को संचालन बोर्ड से मंजूरी मिलना बाकी है। इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि यह मेरा लक्ष्य है। द्विपक्षीय बैठकों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार बुनियादी ढांचा और नवीकरणीय ऊर्जा के विकास के महत्व पर जोर दिया है। असाकावा ने फरवरी में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि देश की तेज, समावेशी तथा हरित वृद्धि की आंकाक्षा को पूरा करने के लिए एडीबी का अगले पांच साल में 20 से 25 अरब डॉलर का संसाधन प्रदान करने का लक्ष्य है।

अडानी ग्रीन इनर्जी का मुनाफा 319 फीसदी बढ़ा

– इससे पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 121 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने मार्च की तिमाही के अपने नतीजे जारी कर दिए। 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में कंपनी का मुनाफा 319 फीसदी उछलकर 507 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 121 करोड़ रुपए दर्ज किया गया था। ?वित्त वर्ष की चौथी ?तिमाही 22 में अडानी ग्रीन की कुल इनकम 1,587 करोड़ रुपए की तुलना में ?वित्त वर्ष की चौथी ?तिमाही 23 में 88 फीसदी बढ़कर 2,988 करोड़ रुपए हो गई है। ??वित्त वर्ष 23 में फर्म ने रेवेन्यू, ए?बि?टिडा और कैश प्रॉफिट में मजबूत वृद्धि के चलते 5,538 करोड़ रुपए का ए?बि??डिटा दर्ज किया है। शुक्रवार को बीएसई पर अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर 3.8 फीसदी बढ़कर 952 रुपए पर बंद हुए थे। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हमारे मजबूत वित्तीय प्रदर्शन से प्रमाणित हमारे व्यापार मॉडल ने फ्लेक्सिबल प्रदर्शन किया है। हम ग्रीन एनर्जी के सेक्टर में आगे हैं। गौतम अडानी ने कहा कि हमने इस वर्ष 2,676 मेगावाट रिन्यूएबल एसेट

में बड़े पैमाने पर ग्रीनफील्ड क्षमता जोड़ी है। इस उपलब्धि का श्रेय हमारी टीमों के अथक प्रयासों को जाता है। हमें गर्व है कि हम भारत में बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी अपनाने की दिशा में नेतृत्व करने में सक्षम हैं और देश को अपने सतत विकास लक्ष्यों के करीब ले जाने में मदद कर रहे हैं।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 2023 में एनर्जी की बिक्री 58 फीसदी बढ़कर 14,880 मिलियन यूनिट हो गई है, जो मुख्य रूप से ट्रोंग कैपेसिटी एडिशन, एनालिटिक्स से ऑपरेटेड ओएंडएम से उच्च संयंत्र उपलब्धता और नए रिन्यूएबल टेक्नोलॉजी को स्थापित करने में सक्षम बनाती है। अडानी ग्रीन एनर्जी ने वित्त वर्ष 23 में अपने ऑपरेशन बेड़े में 2,676 मेगावाट रिन्यूएबल कैपिसिटी को जोड़ा है। इसमें राजस्थान में 2,140 मेगावाट सौर-पवन हाइब्रिड प्लांट, मध्य प्रदेश में 325 मेगावाट पवन ऊर्जा प्लांट और राजस्थान में 212 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र शामिल हैं। अडानी ग्रीन एनर्जी वित्तीय वर्ष 23 में एसईसीआई के साथ 450 मेगावाट की पवन परियोजनाओं और 650 मेगावाट की सौर परियोजनाओं के लिए पीपीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

मिडकैप शेयरों ने अप्रैल में निवेशकों को किया मालामाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मार्च में भारतीय शेयर बाजार में कारोबार सपाट स्तर रहा था, लेकिन अप्रैल में भारतीय बाजार में रैली देखने को मिली है। इस दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुख्य सूचकांक निफ्टी 705.20 अंकों की बढ़ोतरी हुई है और 4.06 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सेंसेक्स में 2,120 अंकों का इजाफा हुआ है। बता दें 2023 के शुरुआती तीन महीने शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे थे। इस दौरान नकारात्मक ट्रेंड देखने को मिला और निफ्टी एवं सेंसेक्स में गिरावट हुई। अप्रैल की रैली में सबसे ज्यादा मिडकैप शेयरों में तेजी हुई है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अप्रैल में 27.6 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। शेयर इस दौरान 1,031.05 रुपए से बढ़कर 1,315.25 रुपए हो गया है। शेयर में तेजी कंपनी के उस बयान के बाद आई थी, जिसमें कहा गया कि वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 4,051 करोड़ रुपए की बुकिंग मिली है। प्रेस्टीज एस्टेट प्रोजेक्ट्स के शेयर में पिछले 21.7 प्रतिशत का इजाफा देखने मिला है। कंपनी का शेयर 403.20 रुपए से बढ़कर 490.70 रुपए पर पहुंच गया है। इस रियल एस्टेट कंपनी की ओर से कहा गया था कि वित्त वर्ष 2022-23 में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन ने शेयर में अप्रैल महीने में 19.4 प्रतिशत का उछाल देखा गया है। बता दें ?कि पिछले महीने रेलवे के अधिकतर शेयरों में तेजी देखी गई थीं।

आपूर्ति व्यवस्था बदलने से भारत को होगा लाभ: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति व्यवस्था में बदलाव से भारत जैसी अर्थव्यवस्था वाले देशों को लाभ होगा। विश्व आर्थिक मंच के अर्थशास्त्रियों के बीच ?किए गए एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। वहीं दुनिया भर के अर्थशास्त्रियों के वैश्विक अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को लेकर अलग-अलग विचार हैं। जहां कुछ अर्थशास्त्री यह मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर मंदी इस साल आने की आशंका है, वहीं कुछ इससे सहमत नहीं है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) से जुड़े मुख्य अर्थशास्त्रियों की राय के आधार पर तैयार परिदृश्य में डब्ल्यूईएफ ने कहा कि आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति की स्थिति विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से अलग-अलग होगी। आर्थिक नीति के मोर्चे पर 72 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि अगले तीन साल में विभिन्न देशों में सक्रियता के साथ औद्योगिक नीति को लागू करने का चलन बढ़ेगा। ज्यादातर अर्थशास्त्रियों को यह नहीं लगता कि हाल में वित्तीय क्षेत्र में जो संकट आया है, उससे व्यवस्था के स्तर पर कोई बड़ी समस्या है। हालंकि इस साल बैंकों के विफल होने के मामले और समस्याएं सामने आ सकती हैं। विश्व आथिक मंच के परिदृश्य के अनुसार एशिया में आर्थिक गतिविधियां तेज रह सकती हैं। चीन में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को फिर से खोले जाने से वहां गतिविधियां बढ़ेंगी जिसका सकारात्मक असर पूरे महाद्वीप पर देखने को मिलेगा। इस साल मार्च-अप्रैल में किए गए सर्वेक्षण में 90 प्रतिशत से अधिक मुख्य अर्थशास्त्रियों का मानना है कि पूर्वी एशिया, प्रशांत तथा दक्षिण एशिया में कम-से-कम हल्की ही सही वृद्धि जरूर होगी। दूसरी तरफ तीन चौथाई अर्थशास्त्रियों ने यूरोप में आर्थिक वृद्धि के सुस्त होने का अंदेशा जताया है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई (एजेंसी)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली खरीददारी से बाजार लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 242.27 अंक करीब 0.40 फीसदी बढ़कर 61,354.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,486.24 तक ऊपरी स्तर तक जाने के बाद 61,255.00 तक फिसला। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.65 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी ऊपर आया। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,147.65 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 18,180.25 के उच्च स्तर तक जाने के बाद 18,101.75 तक नीचे आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, टाटा स्टील, मारुति और इंफोसिस सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। सबसे ज्यादा 2.92 फीसदी लाभ टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सन फार्मा के शेयर सबसे

अधिक नुकसान के साथ ही करीब 1.45 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, कोटक बैंक और टाटा मोटर्स सेंसेक्स के सबसे ज्यादा नुकसान वाले पांच शेयरों में रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स पर 242.84 अंक की बढ़त के साथ 61,355.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पिछले सत्र में सेंसेक्स 61,112.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। एनएसई निफ्टी पर 71.60 अंक तेजी के साथ 18,136.60 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी ग्रीन के शेयर में मंगलवार को अपर सर्किट लगा। सेंसेक्स पर नेस्ले इंडिया के शेयर में सबसे ज्यादा 1.25 फीसदी के उछाल के साथ कारोबार हो रहा था। इसी तरह लार्सन एंड टुब्रो और पावरग्रिड में एक फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। एनटीपीसी, बजाज फिनजर्व, विप्रो, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टाइटन और रिलायंस के शेयरों में भी बढ़त के साथ कारोबार हो रहा था।

भूमि सीमा साझा करने वाले देशों के बोलीदाताओं के पंजीकरण के प्रारूप में बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने सार्वजनिक खरीद के लिये भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से बोली लगाने वाली इकाइयों के लिये आवेदन के प्रारूप को संशोधित किया है। इसमें वे इकाइयां भी शामिल हैं, जिनका उन देशों में लाभकारी स्वामित्व है। इसके अनुसार, आवेदकों को सूचित किया जाता है कि अब उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) में संयुक्त सचिव (सार्वजनिक खरीद विभाग) के कार्यालय में निर्धारित प्रारूप में आवेदन भौतिक रूप में जमा करना आवश्यक है।

डीपीआईआईटी के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि संशोधन के तहत अगर विनिर्माता, सेवा प्रदाता, ठेकेदार तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने वाली इकाई अलग हैं, तो बोलीदाता को उन सबके बारे में पूरा ब्योरा देना होगा। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टीओटी) व्यवस्था होने की स्थिति में उन्हें संवेदनशील क्षेत्रों और प्रौद्योगिकियों के बारे में ब्योरा भी साझा करना होगा। संवेदनशील क्षेत्रों को दो समूह में वर्गीकृत किया गया है। इसमें एक परमाणु ऊर्जा, रक्षा तथा अंतरिक्ष तथा अन्य हैं। तथा नागर विमानन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि और औषधि को दूसरी श्रेणी में रखा गया है।

बोलीदाता को जो ब्योरा देना है, उसमें कंपनी के नाम और बोलीदाता कंपनी के वास्तविक लाभार्थी व्यक्ति का नाम, जिस देश में पंजीकरण है उसका नाम, बोलीदाता तथा लाभार्थी व्यक्ति के बीच मध्यस्थ कंपनियों के बारे में जानकारी, उनके बीच रिश्ते आदि की जानकारी शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि सरकार ने अप्रैल, 2020 में भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले विदेशी निवेश के लिये पहले से मंजूरी को अनिवार्य कर दिया था। इसका मकसद कोविड-19 महामारी के बीच घरेलू कंपनियों की स्थिति का फायदा उठाकर उसके अधिग्रहण के अवसर पर रोक लगाना था। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देश चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यामां और अफगानिस्तान हैं। उस निर्णय के तहत इन देशों से एफडीआई प्रस्ताव को भारत में किसी भी क्षेत्र में निवेश के लिये सरकार की मंजूरी की जरूरत है।

आईपीएल में आज पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस में होगा कड़ा मुकाबला

मोहाली (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार को अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स की टीम मुंबई इंडियंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। कप्तान शिखर धवन की पंजाब किंग्स की टीम के नौ मैचों में 10 अंक हैं और वह छठे स्थान पर है। वह इस मैच में जीत दर्ज करके प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावनाओं को मजबूत करना चाहेगी। उसे इस मैच में घरेलू हालातों का भी लाभ मिलेगा। टीम को अगर प्लेऑफ में पहुंचना है तो अब हर मैच जीतना होगा।

वहीं पिछले मैच में मिली रोमांचक जीत से उत्साहित मुंबई इंडियंस इस मैच में भी अपनी लय बरकरार रखना चाहेगी। उसके लिए हालांकि ये मैच आसान नहीं रहेगा क्योंकि पंजाब किंग्स उसे घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देना चाहेगी। मुंबई और पंजाब दोनों ही टीमों के लिए ये अहम मैच है जिसके कारण इसका रोमांचक होना तय है। मुंबई की टीम पिछले सत्र में दसवें और अंतिम स्थान पर रही थी। इस बार भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तानी रोहित शर्मा की इस टीम के आठ मैचों में आठ अंक है और वह सातवें स्थान पर है। ऐसे में एक हार भी उसे भारी पड़ जाएगी।

मुंबई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अंतिम ओवर में जीत मिली थी जिसका लाभ उसे इस मैच में भी बढ़े हुए मनोबल के रुप में मिलेगा। पिछले मैच में ऑलराउंडर टिम डेविड ने अंतिम ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। टिम ने 14 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाये थे। इससे मुम्बई की टीम 212 रनों के लक्ष्य को भी हासिल कर पायी थी। इस मैच में सूर्यकुमार यादव ने भी अर्धशतक 55 रन बनाकर फार्म हासिल किया था और अब वह इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन 44, इशान किशन 28 और तिलक वर्मा ने भी नाबाद 29 रन बनाये थे। इन सभी खिलाड़ियों के फार्म हासिल करने से मुंबई को अब पंजाब के खिलाफ अच्छे स्कोर की उम्मीद रहेगी। वहीं दूसरी ओर पंजाब की टीम आक्रामक क्रिकेट खेलती है पर उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी उसे नुकसान पहुंचा सकती है।

कप्तान शिखर धवन और उनके सलामी जोड़ीदार प्रभसिमरन सिंह के अलावा पंजाब के अन्य बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाये हैं। सीएसके के खिलाफ पिछले मैच में हालांकि उसके सभी बल्लेबाजों ने रन बनाये थे जो टीम के लिए राहत की थी। अब पंजाब का इस मैच में भी अपने खिलाड़ियों से उसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। पंजाब को यदि ये मैच जीतना है तो धवन और प्रभसिमरन को अच्छी शुरुआत देनी होगी। इसके साथ ही मध्यक्रम में लियाम लिविंगस्टोन, सैम करेन और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को भी बड़ी पारियां खेलनी होंगी।

पंजाब की टीम को मुम्बई के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर और अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला से सावधान रहना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुर्रन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा, शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे।

मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जानसन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, रिले मेरेडिथ , शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव।

मैड्रिड ओपनः सिटसिपास और स्वियातेक टूर्नामेंट के अगले दौर में

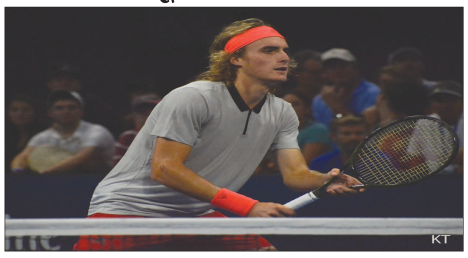

मैड्रिड (एजेंसी)। स्टेफानोस सिटसिपास और इगा स्वियातेक ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज करके मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त सिटसिपास ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद 31वें वरीय सेबेस्टियन बेज को 7-5, 3-6, 6-3 से हराकर इस क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी स्वियातेक को भी 16वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा पर 6-4, 6-7 (3), 6-3 से जीत दर्ज करने के लिए पसीना बहाना पड़ा। उनका अगला मुकाबला 27वीं वरीयता प्राप्त पेट्रा मार्टिच से होगा जिन्होंने 11वीं वरीयता प्राप्त बारबोरा क्रेजिक्कोवा को 6-3, 7-6 (1) से हराया।

मैड्रिड में पिछले साल की उपविजेता तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने मार्टिना ट्रेविसन को 6-3, 2-6, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबलेंका ने रूसी किशोरी मीरा एंड्रीवा को 6-3, 6-1 से पराजित करके उनके शानदार अभियान पर रोक लगाई। महिला वर्ग के अन्य मैचों में नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी ने पाउला बडोसा को 6-4, 6-4 से,जबकि 12 वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा ने आठवीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना को 7-5, 1-6, 7-6 (2) से हराया।

पुरुषों में दूसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने हम वतन रूसी खिलाड़ी एलेक्जेंडर शेवचेंको को 4-6, 6-1, 7-5 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। उनका अगला मुकाबला क्वालीफायर असलान करतसेव से होगा जिन्होंने 16वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को 6-3, 4-6, 6-4 से हराया। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में आठवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने क्रिस्टियन गारिन को 6-1, 7-6 (4), झांग झिझेन ने 11वीं वरीयता प्राप्त कैमरून नॉरी को 2-6, 7-6 (2), 7-6 (2) और बर्नबे जपाटा मिरालेस ने क्वालीफायर रोमन सफीउलिन को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित किया।

भारतीय टीम टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंचीं , ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर खिसकी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी है। इससे अगले माह जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले भारतीय टीम के हौंसले बुलंद हुए हैं। आईसीसी के अनुसार भारत को 25 मैचों में 3031 अंक मिले हैं और उसकी रेटिंग 121 हो गयी है। वहीं दूसरे स्थान पर फिसली ऑस्ट्रेलियाई टीम के 23 मैचों के 2679 अंक हैं। उसे 116 रेटिंग मिली है। डब्ल्यूटीसी से ठीक पहले रैंकिंग गिरने से ऑस्ट्रेलियाई टीम का मनोबल कम होगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम लंबे समय से पहले स्थान पर जमी हुई थी पर पिछले कुछ समय में भारतीय टीम ने लगातार अच्छा प्रदर्शन कर उसे पीछे कर दिया है। वहीं इंग्लैंड की टीम तीसरे जबकि दक्षिण अफ्रीका चौथे नंबर पर है। न्यूजीलैंड की टीम को पांचवां स्थान मिला है। डब्ल्यूटीसी फाइनल भारत ओर इंग्लैंड के बीच सात जून से द ओवल में खेला जाएगा।

इसके अलावा भारतीय टीम टी20 क्रिकेट में भी पहले स्थान पर कायम है। यहां उसकी रेटिंग 267 की है, वहीं अंक 18, 445 हैं। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है, जिसकी रेटिंग 261 है, इस सूची में 255 की रेटिंग के साथ पाकिस्तान की टीम तीसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम 253 की रेटिंग के साथ नंबर चार पर बरकरार है। नंबर पांच पर न्यूजीलैंड है, जिसकी रेटिंग 253 है। एकदिवसीय में हालांकि ऑस्ट्रेलियाई टीम113 की रेटिंग के सा ही शीर्ष पर है। वहीं दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है। उसकी रेटिंग भी 113 है भारतीय टीम की रेटिंग भी 113 है पर वह औसत में कम होने के कारण तीसरे नंबर पर है।

लखनऊ सुपरजाइंट्स घरेलू मैदान पर सीएसके से सावधान रहेगी

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवार दोपहर को होने वाले एक मैच में लखनऊ सुपरजाइंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर जीत के इरादे से उतरेगी। ये हालांकि उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि पिछले मैच में आरसीबी से मिली हार से टीम का मनोबल गिरा हुआ है। उस मैच में टीम 128 रनों के छोटे से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी थी। टीम का सकारात्मक पक्ष से है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा पर टीम के कप्तान लोकेश राहुल और तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट के फिट नहीं होने का उसे नुकसान भी होगा। राहुल आरसीबी के खिलाफ इस मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी दाहिनी जांघ में चोट लगी है।

वहीं उनादकट नेट्स पर गेंदबाजी करते समय फिसल गये थे। इसी कारण राहुल आरसीबी के खिलाफ 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। ऐसे में उनका सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। ऐसे में सुपरजाइंट्स की बल्लेबाज सुकाइल मायर्स, निकोलस पूरन, मार्कस स्टोइनिस और क्रुणाल पांड्या जैसे खिलाड़ियों पर टिकी रहेगी। कप्तान राहुल अबतक इस लीग में रनों के लिए संघर्ष करते नजर आये हैं।

आरसीबी के खिलाफ उसके सभी खिलाड़ी बल्लेबाजी में विफल रहे। टीम का कमजोर पक्ष ये है कि वह दबाव में बिखर जाती है। वह अभी नौ मैचों में 10 अंक लेकर आईपीएल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है पर आरसीबी से मिली हार के कारण उसके खिलाड़ी दबाव में रहेंगे।

वहीं दूसरी ओर महेन्द्र सिंह धोनी की सीएसके राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स से मिली हार के कारण इस मैच में वापसी की उम्मीद के साथ उतरेगी। इस सत्र में अधिकतर मैच में उसकी जीत में धोनी की अहम भूमिका अहम रही है। ऐसे में धोनी इस मैच में टीम को जीत दिलाने के लिए कोई नई रणनीति बना सकते हैं। उसके सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने इस सत्र में अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने अब तक 144.25 की स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं। पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने नाबाद 92 रन बनाए थे पर इसके बाद भी उनकी टीम के गेंदबाज 200 रनों के अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाये थे। टीम के पास रुतुराज गायकवाड, रविंद्र जडेजा और अजिंक्य रहाणे जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। रुतुराज ने अब तक अच्छा खेला है। वहीं रहाणे आक्रामक बल्लेबाज के रुप में उभरे हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

लखनऊ सुपरजाइंट्सः केएल राहुल (कप्तान), आवेश खान, आयुष बडोनी, क्विंटन डी कॉक, कृष्णप्पा गौतम, अर्पित गुलेरिया, दीपक हुड्डा, प्रेरक मांकड़, काइल मायर्स, अमित मिश्रा, मोहसिन खान, नवीन-उल-हक, क्रुणाल पंड्या, निकोलस पूरन, रवि बिश्नोई, डेनियल सैम्स, करण शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मार्कस स्टोइनिस, स्वप्निल सिंह, जयदेव उनादकट, मनन वोहरा, मार्क वुड, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्सः महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), आकाश सिंह, मोइन अली, भगत वर्मा, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, तुषार देशपांडे, शिवम दूबे, रुतुराज गायकवाड़, राजवर्धन हैंगरगेकर, रवींद्र जडेजा, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, मथीशा पथिराना , ड्वेन प्रीटोरियस, अजिंक्य रहाणे, शैक रशीद, अंबाती रायडू, मिचेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, बेन स्टोक्स, महेश तीक्ष्णा।

गेंदबाज हैं जो किसी भी बल्लेबाजी आक्रमण पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं।

भारतीय तीरंदाजों के एशिया कप दूसरे चरण में चार पदक पक्के

ताशकंद। भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप के दूसरे चरण में शानदार शुरूआत करते हुए रिकर्व और कंपाउंड चर्ग में चारों टीम स्पर्धाओं के फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने मेजबान उजबेकिस्तान को 6 .0 (56 .54, 57 .54, 56 .53) से हराया। भारतीय टीम में मृणाल चौहान, तुषार शेल्के और जयंत तालुकदार थे जबकि उजबेक टीम में चेन याओ यू, ए कारोरोव और आमिरखान सादिकोव शामिल थे। इससे पहले भारत ने किर्गीस्तान को भी इसी अंतर से मात दी थी। अब उनका सामना चीन से होगा। रिकर्व महिला टीम (संगीता, प्राची सिंह और तनीषा वर्मा) ने उजबेकिस्तान को टाइब्रेकर में 5 . 4 (53.54, 56.49,52.50, 52.54, 26.26) से हराया। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम ने सउदी अरब को 6 . 0 से हराया था। अब उनका सामना चीन से होगा।

शास्त्री को धोनी के डब्ल्यूटीसी के लिए वापसी करने की उम्मीद नहीं

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि प्रशंसकों की तरह वह भी चाहते हैं कि पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए संन्यास से वापसी करनी चाहिये। शास्त्री के अनुसार इसके लिए टीम प्रबंधन को धोनी से अनुरोध करना चाहिये। साथ ही कहा कि धोनी वापसी करेंगे ऐसा उन्हें नहीं लगाता क्योंकि वह रिकार्ड के लिए नहीं खेलते ओर एक बार जो फैसला लेते हैं उनपर बने रहते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी का फाइनल 7 जून से इंग्लैंड के ओवल में खेला जाएगा। इस महामुकाबले के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा हो गयी है। टीम के पास इस मैच के लिए विशेषज्ञ विकेटकीपर नहीं है। ऋषभ पंत कार हादसे के कारण अभी टीम से बाहर हैं। ऐसे में टीम के पास केएस भरत और लोकेश राहुल ही विकेटकीपर के तौर पर हैं। भरत ओर राहुल का विकेटकीपर के तौर पर प्रदर्शन कोई खास नहीं है। वहीं शास्त्री का मानना है कि हमें धोनी से रिटायरमेंट से वापस आने की अपील करनी चाहिए क्योंकि वो फिट लग रहे हैं और अभी भी आईपीएल में शानदार विकेटकीपिंग कर रहे। उन्होंने कहा, धोनी ने युवाओं को आईपीएल में बताया है कि कैसे विकेटकीपिंग की जाती है। वह कभी भी रिकॉर्ड के लिए नहीं खेले। जब उन्होंने टेस्ट से अलग होने का मन बनाया था तो कोई भी उसके फैसले को बदल नहीं पाया था। इसलिए उनकी वापसी की उम्मीद नहीं है।

बीसीसीआई ने आचारसंहित उल्लंघन के लिए विराट, गंभीर और नवीन पर लगाया जुर्माना

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीसी ने आईपीएल में लखनऊ सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के बीच सोमवार को हुए मुकाबले में आचार संहित उल्लंघन के लिए आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली, लखनऊ सुपर जाएंट्स के मेंटर गौतम गंभीर के साथ ही लखनऊ के खिलाड़ी नवीन उल हक को सजा सुनायी है। इस मैच में आरसीबी की जीत के बाद किसी बात को लेकर विराट और गंभीर के बीच बहस होने लगी। यह मामला इतना बढ़ा कि अन्य खिलाड़ियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस मामले को बीसीसीआई ने गंभीरता से लेते हुए कोहली और गंभीर को कड़ी सजा सुनाई है। साथ ही वीन उल हक को भी सजा दी है। इस मामले में विराट और गौतम गंभीर पर 100 फीसदी जबकि नवीन-उल-हक पर 50 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया गया है।

कोहली और गंभीर की बहस इस मैच में इतनी बढ़ गयी थी कि अन्य खिलाड़ियों और स्टाफ को बीच में आना पड़ा। इस घटना का वीडियो भी आया है जिसमें लखनऊ टीम के अमित मिश्रा और आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसिस भी विवाद को शांत कराने का प्रयास करते दिखे। वहीं 17वें ओवर में नवीन उल हक मैदान पर कोहली के साथ बहस करते नजर आये। मैच के बाद भी नवीन कोहली के साथ विवाद करते दिखे। इसके अलावा जब कोहली काइल मेयर्स के साथ बात कर रहे थे तो गंभीर अचानक मेयर्स को कोहली से दूर ले जाते हैं। इस मामले में दो शीर्ष खिलाड़ी के खराब व्यवहार पर क्रिकेट प्रशंसकों ने नाराजगी भी व्यक्त की है। इससे खेल की छवि भी प्रभावित हुई है।

श्रीजेश से सीखने को मिला : पवन

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के युवा गोलकीपर पवन मलिक ने कहा है कि अनुभवी गोलकीपर पी आर श्रीजेश के साथ उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है। पवन ने मार्च में एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम से खेला था। इस युवा गोलकीपर ने कहा है कि वह अनुभवी श्रीजेश से बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने के दौरान दबाव का सामना करना सीख रहे हैं । 21 साल के मलिक ने राउरकेला में प्रो लीग में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने कहा ,'' जर्मनी और आस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलना काफी दबाव भरा था। उनकी तेजी और आक्रमण अलग ही तरह का है जैसा मैंने अपने जूनियर दिनों में नहीं देखा। उन्होंने कहा ,'' टीम ने मेरा पूरा साथ दिया और अनुभवी खिलाड़ियों से भी काफी सहायता मिली। साथ ही कहा कि पूर्व कप्तान श्रीजेश जैसे अनुभवी खिलाड़ी से काफी कुछ सीखने को मिला है , इससे मुझे दबाव का सामना करने में भी सहायता मिली है। उनके साथ खेलना सपना सच होने जैसा था इसके साथ ही मैं अपने प्रदर्शन पर भी ध्यान रखना चाहता था।

आईपीएल में धमाकेदार प्रदर्शन से टीम इंडिया में वापसी चाहते हैं विजय शंकर

नई दिल्ली । गुजरात टाइटंस की ओर से खेलत हुए ऑलराउंडर विजय शंकर ने कोलकाता नाइटस राइडर्स के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी कर अपने इरादे साफ कर दिये हैं। विजय शंकर ने केकेआर के खिलाफ 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। उन्होंने 24 गेंदों में 2 चौके और 5 छक्के लगाकर 51 रन बनाए। कोलकाता के खिलाफ पिछले मैच में भी विजय ने 4 चौकों और 5 छव?कों की सहायता से 24 गेंद में 63 रन बनाये थे। विजय शंकर अपने इस प्रदर्शन के जरिये टीम टीम में वापसी चाहते हैं। इस साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप पर भी उनकी नजरें हैं। साल 2019 एकदिवसीय विश्वकप में उन्हें अंतिम समय पर अंबाति रायडू की जगह स्थान मिला था और उसे फैसले की काफी आलोचना हुई थी। विजय शंकर का प्रदर्शन तब विश्वकप में अच्छा नहीं रहा था। पाकिस्तान के खिलाफ बड़े मुकाबले में वह केवल 15 रन ही बना पाये थे हालांकि गेंदबाजी में उन्हें दो विकेट मिले। विश्वक कप के बाद उन्हें बाहर कर दिया गया। विजय शंकर उसके बाद से ही टीम से बाहर हैं। वहीं विजय शंकर से टीम इंडिया में वापसी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, ये चीज मेरे लिए बहुत दूर है. मैं अभी इसके बारे में नहीं सोच रहा हूं। अभी मेरा पूरा ध्यान आईपीएल में अपनी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन पर है।

एशिया कप 2023 के लिए इस टीम ने क्वालिफाई कर रचा इतिहास, 39 वर्षों के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल क्रिकेट टीम ने इस बार इतिहास रच दिया है। नेपाल क्रिकेट टीम 39 वर्षों में पहली बार एशिया कप में हिस्सा लेगी। नेपाल क्रिकेट टीम ने पहली बार एशिया कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एसीसी प्रीमियर लीग के लिए नेपाल की टीम ने फाइनल मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात की टीम को हराकर एशिया कप में अपनी जगह बनाई है। नेपाल की टीम ने पहली बार ये उपलब्धि हासिल की है जो टीम के लिए बड़ी बात है। एसीसी प्रीमियर लीग में नेपाल की टीम ने छठी टीम बनकर अपनी जगह पक्की की है। इससे पहले एशिया कप के लिए पांच टीमें फाइनल हो चुकी थी, जिसमें भारत और पाकिस्तान की टीम भी शामिल है।

भारत और पाकिस्तान के अलावा इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान की टीम भी खेलेंगी। इस टूर्नामेंट में अब नेपाल की टीम भी भिड़ती नजर आएगी। बता दें कि पिछली बार यूएई की टीम ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था जबकि इस बार उस टीम को नेपाल से हार का सामना करना पड़ा है। बता दें कि अब तक एशिया कप के आयोजन के लिए वेन्यू फाइनल नहीं हुआ है। आधिकारिक तौर पर मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पास है।

ऐसा रहा था दोनों टीमों का मुकाबला

कीर्तिपुर के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में नेपाल की टीम ने पहले टॉस जीता और फिर गेंदबाजी चुनी। इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए संयुक्त अरब अमीरात की टीम ने 33.1 ओवर में सिर्फ 117 रन ही बनाए। इस मुकाबले में नेपाल की टीम ने सधी हुई गेंदबाजी की और लगातार संयुक्त अरब अमीरात के बल्लेबाजों को पवेलियन भेजने में सफलता हासिल की। नेपाल की ओर से लालजीत राजबंशी ने चार विकेट हासिल किए।

नेपाल ने सात विकेट से जीता मैच

नेपाल की टीम को जीत हासिल करने के लिए 118 रन का टारगेट तीन विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। हालांकि टीम का पहला विकेट एक रन पर ही गिर गया था मगर इसके बाद गुलशन झा ने 67 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। उनके साथ मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज भीम शर्की ने भी नाबाद 36 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

बीसीसीआई ने महिला टीम के कोच के लिए खोली वैकेंसी, सामने रखी ये शर्तें

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को सीनियर महिला टीम के मुख्य कोच के पद के लिये आवेदन पत्र आमंत्रित किये। यह पद पिछले साल दिसंबर में रमेश पवार के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) जाने के बाद से खाली पड़ा है। बीसीसीआई की ओर से प्रकाशित सूचना-पत्र के अनुसार, आवेदन पत्र दाखिल करने के वाले व्यक्ति के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत या किसी अन्य देश के प्रतिनिधित्व का अनुभव होना चाहिये। ऐसा न होने पर व्यक्ति के पास कोचिंग में एनसीए का सी-श्रेणी का प्रमाण पत्र और 50 प्रथम श्रेणी मैचों का अनुभव होना चाहिये। यह दोनों शर्तें पूरी न होने पर अगर किसी व्यक्ति ने एक अंतरराष्ट्रीय टीम को एक क्रिकेटिंग सत्र के लिये या किसी टी20 फ्रेंचाइजी को दो सत्रों के लिये कोच के रूप में सेवा दी है तो वह आवेदन पत्र दाखिल कर सकता है। बीसीसीआई ने आयु मानदंड को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, हालांकि 60 वर्ष से अधिक के व्यक्ति को आमतौर पर बीसीसीआई नीति के तहत चयन के लिये पात्र नहीं माना जाता है। कोच की जिम्मेदारी मुंबई में आधारित होगी और उम्मीदवार को क्रिकेट कोचिंग सेटअप विकसित करने की आवश्यकता होगी। आवेदन की आखिरी तारीख 10 मई है, जिसके बाद बीसीसीआई आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करेगा और उन्हें अशोक मल्होत्रा की अगुआई वाली क्रिकेट सलाहकार समिति को भेजेगा, जो बीसीसीआई संविधान के अनुसार साक्षात्कार आयोजित करेगी। भारतीय महिला टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कोचिंग स्टाफ में कई बदलाव देखे हैं। रमेश पवार के एनसीए में स्थानांतरण के बाद भारत इस साल दक्षिण अफ्रीका में आयोजित महिला टी20 विश्व कप में बिना मुख्य कोच के गया था।

मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मोहम्मद हसामुद्दीन ने जीत के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुशल मुक्केबाज मोहम्मद हसामुद्दीन ने सोमवार को ताशकंद उज्बेकिस्तान में शानदार जीत दर्ज करके आईबीए मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2023 में शानदार प्रदर्शन किया। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही भारत की टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत हुई है।

दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता हसामुद्दीन 57 किग्रा ने पहले दौर में मैसेडोनिया के एलेन रुस्तमोव्स्की को 5-0 से हराकर जीत का आगाज किया है। इस मुकाबले में मोहम्मद हसामुद्दीन ने अपनी ताकत, उच्च तकनीकी क्षमता का उपयोग किया और जीत हासिल की। स्टार मुक्केबाज मोहम्मद हुसामुद्दीन ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां आईबीए पुरुष विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की शुरुआत शानदार जीत के साथ की। 60 किग्रा वर्ग में वरिंदर सिंह उज्बेकिस्तान के मुजीबिलो तुर्सुनोव से हार गए और 0-5 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

मंगलवार को टोक्यो ओलंपियन और 2019 एशियाई चैंपियनशिप में आशीष चौधरी और नवोदित हर्ष चौधरी अपने-अपने टूर्नामेंट के सलामी बल्लेबाजों के लिए रिंग में उतरेंगे। आशीष 80 किग्रा ईरान के मेसम घेशलाघी से भिड़ेंगे, जबकि हर्ष 86 किग्रा का सामना ऑस्ट्रेलिया के बिली मैकलिस्टर से होगा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने प्रतियोगिता के लिए 13 सदस्यीय टीम उतारी है। प्रतियोगिता में 107 देशों के कई ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 538 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। अब तक कुल सात भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीते हैं और देश के प्रतिभाशाली मुक्केबाज टूर्नामेंट के मौजूदा सत्र में इस संख्या को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

मानहानि केस में हाईकोर्ट का राहुल गांधी को अंतरिम जमानत देने से इंकार

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बड़ा झटका लगा है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें उन्होंने 'मोदी सरनेम' वाली टिप्पणी को लेकर मानहानि मामले में अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की है। हाईकोर्ट के न्यायधीश हेमंत प्रच्छक ने सुनवाई के दौरान राहुल गांधी को अंतरिम जमानत देने से भी इंकार कर दिया और कहा कि छुट्टियों के बाद वह अपना फैसला सुनाएंगे। बता दें कि मोदी सरनेम के मामले में सूरत की सत्र अदालत ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद राहुल गांधी ने गुजरात हाईकोर्ट में सत्र न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग करती याचिका दाखिल की थी। गत 26 अप्रैल को हाईकोर्ट की न्यायधीश गीता गोपी के समक्ष मामले पर त्वरित सुनवाई की मांग की थी। लेकिन न्यायधीश गीता गोपी ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद मामला न्यायधीश हेमंत प्रच्छक को सौंपा गया था। हाईकोर्ट में राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि डिमेमेशन केस गंभीर मामला है या जमानत योग्य गुनाह यह चर्चा का विषय है। राहुल गांधी के खिलाफ कोई गंभीर अपराध नहीं है जिसमें उन्हें जमानत ना दी जा सके। राहुल गांधी के खिलाफ कोई एन्टी सोशिल एक्टिविटी का भी आरोप नहीं है। सिंघवी ने अपनी दलील में कहा कि लोकसभा की अवधि पूर्ण होने को है और आगामी समय में चुनाव होने वाले हैं। अगर राहुल गांधी की सजा पर रोक नहीं लगाई गई तो उन्हें काफी नुकसान होगा। राहुल गांधी कई समितियों के सदस्य हैं और सजा पर रोक नहीं लगने की स्थिति में वह किसी भी बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे तथा जनता की आवाज को न्याय नहीं दिला पाएंगे। दूसरी ओर पूर्णेश मोदी के वकील नाणावटी ने दलील दी कि कोर्ट को अपराध की गंभीरता, पीड़ित और ज्यादातर समाज पर उसकी क्या असर हो सकती है, उसका संज्ञान लेना चाहिए। जिसे दोषी करार दिया गया है उसे 2 वर्ष की सजा देना और बतौर संसद सदस्य अयोग्य ठहराया जाना अपराध की गंभीरता दर्शाता है। अब देखना होगा गुजरात हाईकोर्ट राहुल गांधी को राहत देती है या उनकी सजा बरकरार रखती है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में राहुल गांधी ने कर्नाटक में मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी की थी। जिसमें उन्होंने कहा था 'सब चोर मोदी ही क्यों होते हैं'। राहुल गांधी के टिप्पणी के खिलाफ सूरत से भाजपा के विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने सूरत की कोर्ट में मानहानि का दावा किया था। सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 23 मार्च को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत दोषी करार देते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी को संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। जिसके बाद राहुल गांधी ने सूरत की सत्र अदालत में अपील की। लेकिन 20 अप्रैल को सूरत की सत्र अदालत ने भी राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग की थी।

उत्तर भारत के लिए सूरत से एक और ट्रेन शुरू, गर्मियों में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए लिया फैसला

सूरत । पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी मांग को पूरा करने के लिए उधना एवं बरौनी जंक्शन स्टेठ्ठशनों के बीच विशेष किराए पर द्वि-साप्ताहिक ग्रीष्ममकालीन स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस विशेष ट्रेन का विवरण निम्नायनुसार प्रकार है-

ट्रेन संख्यान 09033/09034 उधना-बरौनी जंक्शन द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन [18 फेरे]

ट्रेन संख्यान 09033 उधना-बरौनी जंक्शन स्पेशल प्रत्येक सोमवार और बुधवार को उधना से 20.35 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन अर्थात बुधवार और शुक्रवार को 03.00 बजे बरौनी जंक्शन पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 मई से 31 मई तक चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्याा 09034 बरौनी जंक्शन-उधना स्पेशल प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को बरौनी जंक्शन से 09.25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 19.00 बजे उधना पहुंचेगी।

यह ट्रेन 5 मई से 2 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी जंक्शन, मैहर, सतना, माणिकपुर जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा जंक्शन और पटना जंक्शन स्टेहशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, शयनयान और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09033 की बुकिंग 2 मई से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल ने मार्च 2023 साइंस स्ट्रीम और गुजकेट परीक्षा में सबसे ज्यादा रिजल्ट हासिल किया

सूरत।

हमारा स्कूल द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल इस वर्ष मार्च 2023 में विज्ञान स्ट्रीम में कुल 69 बच्चों ने आवेदन किया और मंगलवार 02-05 2023 को गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित परिणाम में कुल 5 या अधिक छात्र 99 पीआर थे। 15 से अधिक छात्रों ने स्कोर किया इस परिणाम में 90 से अधिक पीआर और 30 छात्रों ने 85 से अधिक पीआर स्कोर किया।

भिमानी सृष्टि जे. 99.79 पीआर के साथ पहली रैंक

मोरडिया तिलक आर. 99.50 पीआर के साथ दूसरा स्थान

ढोला पालक बी. 99.33 पीआर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

इस परिणाम के साथ, गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक बोर्ड ने गुजरात परिणाम की घोषणा की। जिसमें गबनी जेनिल ने 110.75 अंक के साथ प्रथम, भिमानी सृष्टि ने 107.75 अंक के साथ द्वितीय तथा मोरडिया तिलक व पटेल मंदीप ने 100 अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। समग्र श्रेष्ठ परिणामों में विद्यालय के शिक्षकों का योगदान बहुत अधिक रहा। अत: विद्यालय के ट्रस्टी एवं प्रबंध निदेशक श्री किशनभाई मांगूकिया ने बच्चों को मिठाई एवं फूल देकर बधाई दी तथा भविष्य में बेहतर प्रगति के लिए बधाई दी साथ ही विद्यालय के परिसर निदेशक एवं प्रधानाचार्य ने छात्रों एवं अभिभावकों द्वारा दिये गये सहयोग की सराहना की और बच्चों और माता-पिता को शुभकामनाएं दी गईं।

मानहानि केस में तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ीं, अहमदाबाद की कोर्ट 8 मई करेगी सुनवाई

अहमदाबाद। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अहमदाबाद के मेट्रो कोर्ट तेजस्वी यादव के खिलाफ दर्ज मानहानि केस पर सुनवाई आगामी 8 मई करेगी। याचिकाकर्ता हरेश मेहता ने आज मेट्रो कोर्ट में कहा कि 25 मार्च को उन्हें यूट्यूब पर एक वीडियो देखा था जो निजी चैनल पर 22 मार्च को प्रसारित हुआ था। इस वीडियो में बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कह रहे थे कि 'आज के देश के हालात में अगर देखा जाए तो सिर्फ गुजराती ही ठग हो सकते हैं।' तेजस्वी यादव का यह बयान सुनकर मुझे बड़ा धक्का लगा। गुजराती परिभाषा में ठग शब्द लुच्चा, अपराधी और अपराध संबंधी कैटेगरी में आता है। ऐसे शब्द का उपयोग तेजस्वी यादव ने गुजरात के गुजरातियों के लिए उपयोग किया था। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि इस समाचार से मुझे मानसिक और शारीरिक यातनाएं और गुजराती के तौर पर मेरी मानहानि हुई है। सवाल यह है कि क्या सभी गुजराती ठग हैं? क्या गांधीजी, सरदार पटेल और नरसिंह मेहता सभी ठग थे? मेरी समझ के मुताबिक ठग का लेबल लगने से सभी गुजराती अगर गुजरात के बाहर जाएंगे तो उन्हें सिर झुका कर चलना पड़ेगा। देश-विदेश में बसने वाले गुजरातियों को क्या मानहानि के साथ जीना पड़ेगा? क्या तेजस्वी यादव ऐसी टिप्पणी कर अखंड देश को खंडित करना चाहते हैं? देश के किसी भी नागरिक को ऐसे शब्दों का उपयोग करने से बचना चाहिए जो किसी की भावनाओं को आहत करे। हरेश मेहता ने कहा कि बिहार के उप मुख्यमंत्री होने के नाते तेजस्वी यादव ने ऐसी टिप्पणी की है जो उनकी पद और प्रतिष्ठा को शोभा नहीं देता। ऐसी टिप्पणी कर तेजस्वी यादव ने समूचे गुजरात के नागरिकों के दिल चोट पहुंचाई है। जिस प्रकार दिल को चोट पहुंची है, उसी प्रकार सभी गुजरातियों को बदनामी का अहसास होगा। याचिकाकर्ता हरेश मेहता ने तेजस्वी यादव की टिप्पणी से संबंधित सबूत भी कोर्ट में पेश किए हैं। याचिकाकर्ता के वकील की ओर सुप्रीम कोर्ट के हाल की टिप्पणी का उल्लेख किया गया है, जिसमें कहा गया है कि भड़काऊ भाषणा हो या टिप्पणी हो, किसी शिकायत की प्रतीक्षा किए बगैर सरकार शिकायतकर्ता बने। गौरतलब है कि तेजस्वी यादव ने 22 मार्च 2023 को गुजरातियों के खिलाफ टिप्पणी की थी। पीएनबी कांड के आरोपी मेहुल चौक्सी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस रद्द होने पर तेजस्वी यादव ने कहा था कि इस देश में केवल गुजराती ही ठग हो सकते हैं। तेजस्वी यादव के इस बयान को लेकर अहमदाबाद के मेट्रो कोर्ट में भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 करे तहत केस दर्ज किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के पद पर बैठे एक जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा इस प्रकार बयानबाजी करना उचित नहीं है। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। आगामी 8 मई को मेट्रो कोर्ट मामले की सुनवाई करेगी।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट, अग्र एक्जोटिक की युवा एवं महिला शाखा गठित

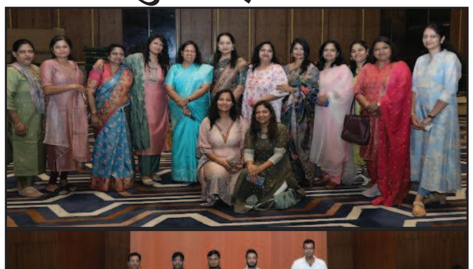

सूरत भूमि, सूरत।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट की प्रथम युवा एवं महिला शाखा का गठन किया गया । ट्रस्ट के अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया की महिला शाखा की टीम में मार्गदर्शक मंजु मित्तल, अध्यक्ष रेखा रुंगटा, सचिव प्रियंका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंजू केडिया, उपाध्यक्ष मीनू पंसारी व मीनाक्षी मोदी, संगठन सचिव संतोष गाड़िया, सहसचिव नीलम केजरीवाल, सह कोषाध्यक्ष स्वाति अग्रवाल एवं सहसंगठन सचिव अंजना गुप्ता को नियुक्त किया गया ।

युवा शाखा की टीम में अंकुर बिजाका को अध्यक्ष, मनीष अग्रवाल व राहुल गुप्ता को उपाध्यक्ष, देवन अग्रवाल को सचिव, आयुष केज़रीवाल को कोषाध्यक्ष, नवीन अग्रवाल को संगठन सचिव, विवेक गाड़िया को सहसचिव, प्रदीप अग्रवाल को सहसंघटन सचिव एवं राहुल अग्रवाल को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया ।

इनके अलावा युवा एवं महिला शाखा में अनेकों सदयों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया । अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट की कार्यकारिणी द्वारा सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दी ।

श्रीमति एल.पी. सवानी विद्याभवन स्कूल के छात्रों ने कक्षा-12 विज्ञान एचएससी-2023 में बेहतरीन प्रदर्शन किया

सूरत। अडाजन स्थित प्रसिद्ध स्कूल श्रीमति एल.पी. सवानी विद्याभवन स्कूल के छात्रों ने कक्षा-12 विज्ञान एचएससी-2023 में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्कूल और सूरत शहर का नाम रौशन किया है। इस स्कूल ने 83.32त्न परिणाम के साथ कुल 12 छात्रों में से 98 पीआर हासिल किया है। बाह्य प्रतियोगी परीक्षा जीयूजेसीईटी में विद्यालय के नौ विद्यार्थियों ने 101 से अधिक अंक प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किया। ए2 ग्रेड-08, बी1 ग्रेड-11, बी2 ग्रेड-25 के छात्र पास हुए हैं। स्कूल के चेयरमैन श्री मावजीभाई सवानी, वाइस चेयरमैन श्री धर्मेंद्र सवानी ने कक्षा-12वीं के विज्ञान के बेहद सफल परिणामों के लिए छात्रों, अभिभावकों, दोस्तों और शिक्षकों को बधाई दी। तथा विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ आशीर्वाद दिया।

सूरत भूमि, सूरत। सोमवार रात को अडाज़न की नक्षत्र एंबेसी रेजीडेंसी के बैंक्वेट हॉल में बी कैग संस्था द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमे हेल्थी लाइफ स्टाइल पर शहर के जाने माने वक्ता डॉ मुकेश पाराशर ने अपने अंदाज में लोगो को स्वस्थ दिनचर्या अपनाने पर जोर दिया। बी कैग प्रमुख पूनम पाराशर ने महिलाओ को ब्रेस्ट कैंसर से बचने के उपाय बताए और अपनी पुस्तक स्पार्क ऑफ लाइफ का वितरण किया। देर रात तक चले इस कार्यक्रम का संचालन जिगर पंड्या ने किया और दोनो वक्ताओं का आभार व्यक्त किया । इस मौक़े पर अनेकों लोग उपस्थित रहें ।

वाटर किंगडम, एशिया का सबसे बड़ा थीम वाला वाटर पार्क इस साल अपनी 25वीं वर्षगांठ मना रहा है!

मुंबई।

यह साल का वह समय है, जब आप अपने परिवार, चचेरे भाइयों और दोस्तों के साथ चिलचिलाती धूप में खुद को पानी में भिगो सकते हैं! वाटर किंगडम, एशिया का सबसे बड़ा थीम वाला वाटर पार्क, जो इस साल अपनी यात्रा के 25 साल पूरे कर लेगा! जबकि वाटर पार्क ने पिछले ढाई दशकों में अपने लाखों संरक्षकों का मनोरंजन किया है, इस साल अपनी रजत वर्षगांठ पर वाटर किंगडम शहर के कुछ आगामी और मनोरंजक संगीत बैंडों की मेजबानी करेगा जो कि सबसे शानदार संगीत बजाने के लिए जाने जाते हैं और उनके दर्शकों का मनोरंजन करें।

6 सदस्यीय बैंड- युगांत 6 मई को लाइव देखें जो प्रगतिशील रॉक बॉलीवुड संगीत के साथ अपना जादू बिखेरेगा। जबकि मुंबई से आने वाले सदस्य विभिन्न शैलियों को अपने शीर्ष पर रखते हैं, युगांत प्रोग्रेसिव रॉक के बहु-शैली के बैनर के तहत अपने दृष्टिकोण के लिए उदार कहानी और मधुर नाटकीयता को बढ़ावा देते हैं। बैंड में आशीष नस्कर, सिद्धार्थ शेनॉय, सुखप्रीत सिंह, प्रत्यय मिश्रा, हर्ष दमानिया और विशाल भानुशाली शामिल हैं।7 मई 2023 को आने वाले म्यूजिक बैंड - रू।43 इंडिया के सबसे मनोरंजक प्रदर्शनों में से एक को देखने से न चूकें। इस रविवार को वेव पूल में दोपहर 3 बजे उन्हें लाइव देखें क्योंकि यह 6-पीस बैंड आपको उनके साथ एक एड्रेनालाईन रश देगा पंक रॉक और रेट्रो बॉलीवुड सदाबहार हिट के नए युग के प्रायोगिक रीमिक्स जो हमेशा उनकी सफलता के लिए रहे हैं। मिलिए करिश्माई गायक और फ्रंटमैन, केयूर कराडखेडकर से, जो अपनी शक्तिशाली और सुरीली आवाज से दर्शकों को लुभाने में कभी असफल नहीं होते। गिटार पर बेहद प्रतिभाशाली बुधादित्य देब होंगे, जो अपनी भावपूर्ण धुनों से तारों को गुनगुना सकते हैं। उनके बास वादक, सौरभ खाड़े, अपनी शानदार बासलाइनों के साथ बैंड में एक अनूठा स्वाद लाते हैं जो भीड़ को प्रेरित करता है। और आखिरी लेकिन कम नहीं, बैंड के ड्रम और ताल पर अविश्वसनीय रॉकी डिक्रूज है, जिसकी धड़कन आपको कुछ ही समय में अपने पैरों को थिरकने पर मजबूर कर देगी!

जबकि वर्षगांठ 6 और 7 मई को मनाई जाएगी, संरक्षक इस पूरी गर्मी में मौज-मस्ती भरे सप्ताहांत की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि वाटर पार्क पूरे महीने अपने 25वें वर्ष के पूरा होने का जश्न मना रहा है! डीजे लेडी बरोट, डीजे पर्च, डीजे तपेश्वरी, डीजे सुबुही, डीजे वालेरी और डीजे डोना जैसे प्रसिद्ध डीजे के पावरहाउस प्रदर्शनों के प्रदर्शन के लिए देखें।सालगिरह के जश्न की तैयारी के बारे में परेश मिश्रा, प्रेसिडेंट-बिजनेस डेवलपमेंट, रियल एस्टेट एंड एंटरटेनमेंट पोर्टफोलियो, अशोक गोयल फैमिली ऑफिस ने कहा, वाटर किंगडम की अपनी 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। एमएच43 इंडिया और युगांत जैसे संगीत बैंड के साथ, हम पार्क में अपने आगंतुकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेंगे, जिससे हमारी 25वीं वर्षगांठ यादगार बन जाएगी।

भारत की बेंचमार्क फैशन शोकेस हाईलाइफ प्रदर्शनी 4 और 5 मई को सूरत के होटल मैरियट में आयोजित की जाएगी

सूरत भूमि, सूरत। यदि आप इस गर्मी में नवीनतम फैशन आकर्षक हॉट स्टाइल से परिचित होना चाहते हैं, तो तैयार हो जाएं। भारत का बेंचमार्क फैशन शोकेस, हाईलाइफ प्रदर्शनी, फैशन की दुनिया में फिर से धमाल मचाने के लिए आ रहा है। यहां आपको ट्रेंडसेटिंग फैशन शोकेस और वेरायटी डिजाइन फैशन गारमेंट्स की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से इस गर्मी के नवीनतम ट्रेंड्स और विविध डिजाइन देखने को मिलेंगे। यह एक्सक्लूसिव शोकेस सूरत शहर में 4 और 5 मई को होटल मैरियट, अठवालाइंस में आयोजित किया जा रहा है। तो आइए, आप भी इस समर फैशन कार्निवल का हिस्सा बनें।

हाईलाइफ प्रदर्शनी में पेश किए गए डिजाइनर गारमेंट्स आपको नया लुक देकर बड़े उत्साह के साथ आपकी गर्मियों को यादगार बना देंगे। चाहे वह भव्य पोशाक-पोशाक हो, दूल्हा और दुल्हन के लिए शादी के कपड़े हों, उनके बैंडवेगन के लिए एथनिक डिजाइन हों, रोजमर्रा के फैशन परिधान, आभूषण या आपके घर के लिए फैशन स्टेटमेंट हों, इस प्रदर्शनी में आपके लिए उपलब्ध सभी मनमोहक फैशनेबल किस्में हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)